RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्षः 01, अंकः 19, पृष्ठः 08

infodivyadelhi@gmail.com

शनिवार, 27 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi | तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री | सूर्योदय 05.25 सूर्यास्त 06.50

पीएम मोदी से मिले रूस के उपप्रधानमंत्री

नई दिल्ली
रूस के उपप्रधानमंत्री दिमित्री पेत्रुशेव ने गुरुवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। यह बैठक 'व?ल्र्ड फूड इंडिया 2025' के अवसर पर आयोजित की गई, जिसमें दोनों नेताओं ने कृषि, उर्वरक, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने को लेकर विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के साथ भारत की 'विन-विन पार्टनरशिप' को और अधिक मजबूत करने की दिशा में चर्चा की। खासतौर पर कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और उर्वरक जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा देने की बात कही गई।
प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त कीं और कहा कि वे उन्हें जल्द ही भारत में होने वाले 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत में स्वागत करने को लेकर उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इस बैठक की जानकारी देते हुए लिखा कि वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 के अवसर पर रूस के उपप्रधानमंत्री दिमित्री पत्रुशेव से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमने कृषि, उर्वरक और खाद्य प्रसंस्करण में हमारे विन-विन सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

अजमेर दरगाह में सीसीटीवी कैमरे लगाने के आदेश

नई दिल्ली
अजमेर जिला सिविल न्यायाधीश मनमोहन चंदेल ने अजमेर स्थित ख्वाजा साहब की दरगाह में सभी वांछित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और जो लोग इसका विरोध कर रहे हो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाने के आदेश दिए हैं। सिविल न्यायाधीश मनमोहन चंदेल के इस आदेश को साहसिक और सराहनीय बताया जा रहा है। दरअसल यह सिर्फ आदेश नहीं अपितु दरगाह में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने पर अब अदालत की भी मुहर लग गई है। दरगाह कमेटी ने प्रयास किए थे कि दरगाह के अंदर जायरीन की भीड़ वाले सभी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए, लेकिन तब दरगाह के खादिमों ने आस्ताना सहित कई स्थानों पर कैमरे लगाने का विरोध किया।

लद्दाख में हिंसाः सोनम वांगचुक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस ने एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया, बुधवार को लेह हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी

लेह
लेह हिंसा के बाद शुक्रवार को लद्दाख पुलिस ने एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने उन्हें हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किया है। बुधवार को लेह हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, आगजनी और लोगों के घायल होने की खबर भी सामने आई थी। सोनम वांगचुक को डीजीपी एस,डी, सिंह जामवाल के नेतृत्व वाली लद्दाख पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस दल ने गिरफ्तार कर लिया है। दो दिन पहले लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर आंदोलन के समर्थकों द्वारा हिंसक विरोध प्रदर्शन किया गया था, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 अन्य घायल हो गए थे।
अधिकारियों ने बताया कि वांगचुक को लद्दाख के डीजीपी एसडी सिंह जामवाल के नेतृत्व में पुलिस दल ने दोपहर 2.30 बजे हिरासत में लिया। गृह मंत्रालय ने लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के वरिष्ठ सदस्य वांगचुक पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया था। एलएबी पिछले पांच वर्षों से कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ मिलकर मांगों के समर्थन में आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है।
हालांकि, मांगों के समर्थन में भूख हड़ताल का नेतृत्व कर रहे वांगचुक ने आरोपों से इनकार किया। उन्होंने हिंसा की निंदा की और बुधवार को हिंसा के बाद दो सप्ताह से चल रहा अपना अनशन भी समाप्त कर दिया।

केंद्र के किए वादों पर उठाए सवाल

उमर अब्दुल्ला ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को दुर्भागपूर्ण बताया। केंद्र द्वारा किए गए वादों पर उठाए सवाल। सूत्रों के अनुसार, सोनम वांगचुक को शाम 2:30 बजे लद्दाख पुलिस प्रमुख एस.डी. सिंह जम्वाल के नेतृत्व में गिरफ्तार किया गया। हालांकि, उन पर लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। गृह मंत्रालय ने इस हिंसा के लिए सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहराया है। वांगचुक, जो लेह एपेक्स बॉडी के प्रमुख सदस्यों में से एक हैं, कर्गिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ मिलकर राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर पिछले पांच वर्षों से आंदोलन चला रहे हैं। हालांकि, सोनम वांगचुक ने इन आरोपों से इनकार किया है और हिंसा की निंदा करते हुए अपना 15 दिन से जारी अनशन बुधवार को समाप्त कर दिया था।

झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी

लद्दाख में राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई उस घटना के एक दिन बाद हुई, जब लेह में बंद और विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई भीषण झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी। वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लेह में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम उन्हें लेकर उनके घर जा रही है। स्थानीय संगठनों और वांगचुक समर्थकों का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष संरक्षण की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। आंदोलन के तेज होने के साथ ही प्रशासन ने एहतियातन कई इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी है।

बरेली में 'आई लव मोहम्मद' पर बवालः जुमे की नमाज के बाद भीड़ सड़क पर उतरी

बरेली
आइ लव मुहम्मद को लेकर हो रही कार्रवाई के विरोध में इत्तेहाद ए मिल्लत कौंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खान शुक्रवार को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन देने की घोषणा की थी। इसके लिए उन्होंने लोगों से इस्लामियां मैदान पर जुटने की अपील भी की थी। शुक्रवार को नमाज के बाद लोगों ने इस्लामियां ग्राउंड पर इकट्ठा होना शुरू कर दिया। जिले में धारा 163 लागू होने के कारण पुलिस व प्रशासन

के अधिकारियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग नहीं माने। इस पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस्लामियां ग्राउंड के आसपास खलील स्कूल के सामने, नौमहला मस्जिद के पास, कोतवाली के पास पुलिस ने लाठियां फटकार कर लोगों को खदेड़ा। इसी बीच लोगों ने पुलिस पर पथराव भी कर दिया, जिससे कई पुलिस कर्मचारियों को चोट आई।
भीड़ नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले भी दागने पड़े। डीआइजी अजय साहनी के साथ ही पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर डटे हुए हैं। उधर, श्यामगंज चौराहे के पास भी भीड़ जुटाने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस ने लोगों को खदेड़ दिया।

हिरासत में मौत मामले में मध्य प्रदेश सरकार, सीबीआई को फटकार

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में मौत के एक मामले में फरार पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने में देरी के लिए गुरुवार को मध्य प्रदेश सरकार और सीबीआइ को फटकार लगाई और अवमानना कार्रवाई की चेतावनी भी दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि पुलिस अधिकारी अप्रैल से फरार हैं, लेकिन उन्हें निलंबित नहीं किया गया है। शीर्ष अदालत 24-वर्षीय पीड़ित देवा पारदी की मां की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मध्य प्रदेश पुलिस से सीबीआई को जांच सौंपने के 15 मई के आदेश का पालन नहीं किया गया।

बड़े संगठन के नेता से जिम्मेदारी की उम्मीद- विदेश मंत्रालय

नाटो चीफ का दावा पूरी तरह बेबुनियाद, नाटो चीफ ने किया था पीएम मोदी-पुतिन के बीच फोन कॉल का दावा

नई दिल्ली
विदेश मंत्रालय ने नाटो चीफ मार्क रूटे की उस टिप्पणी पर कड़ी आलोचना की है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि अमेरिकी टैरिफ के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन किया था। विदेश मंत्रालय ने नाटो चीफ के दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत और पूरी तरह से निराधार बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रणधीर जायसवाल ने साफ तौर पर कहा कि, "पीएम मोदी और पुतिन से किसी भी समय इस तरह की बात नहीं की जैसा कि दावा किया गया है।"

बड़े संगठन के नेता से ज्यादा जिम्मेदारी की उम्मीद- विदेश मंत्रालय
उन्होंने कहा कि, हम इतने बड़े संगठन के नेता से ज्यादा जिम्मेदारी की उम्मीद करते हैं। ये अटकलबाजी और लापरवाही भरी टिप्पणियां हैं। पीएम मोदी ने कभी भी पुतिन से उस तरह की बात नहीं की जैसा कि दावा किया गया है। ये पूरी तरह से अस्वीकार है।

नाटो चीफ ने किया था फोन कॉल का दावा
इससे पहले, नाटो चीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के भारत पर लगाए गए टैरिफ का समर्थन करते हुए कहा था कि इन उपायों का यूक्रेन युद्ध पर पहले ही असर पड़ चुका है। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप के इस कदम के बाद पीएम मोदी ने पुतिन के फोन किया और यूक्रेन की योजना के बारे में पूछा।

> 'ऊर्जा आयात संबंधी निर्णय राष्ट्रीय हितों को देखकर लेता है भारत'

'ऊर्जा आयात संबंधी निर्णय राष्ट्रीय हितों को देखकर लेता है भारत'
विदेश मंत्रालय ने रूस तेल आयात पर भारत के रुख दोहराते हुए कहा कि भारत अपने ऊर्जा आयात संबंधी निर्णय राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखकर लेता है। जैसा कि पहले कहा गया है कि भारत का ऊर्जा आयात भारतीय उपभोक्ताओं के लिए किफायती ऊर्जा लागत सुनिश्चित करन के लिए है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करना जारी रखेगा।

भारतीय एयरलाइन कंपनियों पर बढ़ेगी सरकारी निगरानी

नई दिल्ली
देश में त्योहारी सीजन की शुरूआत हो चली है। ट्रेनों के टिकट फुल होने के बाद यात्रियों के पास अब फ्लाइट का विकल्प बचा है। टिकट महंगे होने के बावजूद लोग घर जाने के लिए फ्लाइट का सहारा ले रहे है। इस बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने भारत में विमानन क्षेत्र में तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए एयरलाइंस पर सख्त निगरानी रखने की जरूरत बताई है। डीजीसीए से जुड़े अफसरों का कहना है कि,भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानान बाजारों में से एक है।आने वाले दिनों में हजारों नए विमान आने वाले है, लेकिन जून में हुए एयर इंडिया हादसे ने सुरक्षा मानकों पर निगरानी को और सख्त कर दिया है। ऐसे सरकार ज्यादा जिम्मेदारी, ज्यादा सुरक्षा निगरानी और ज्यादा जनशक्ति पर फोकस कर रही है।

राजस्थान सरकार को 'सुप्रीम' निर्देश, थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की मांगी जानकारी

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राजस्थान सरकार को अहम और सख्त निर्देश दिए है। सर्वोच्च न्यायालय ने मामले में राजस्थान सरकार से राज्य के सभी पुलिस थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की संख्या और उनकी जगह की पूरी जानकारी मांगी है। कोर्ट ने यह भी पूछा है कि क्या इन कैमरों की नियमित जांच (ऑडिट) की जाती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सही तरीके से काम कर रहे हैं या नहीं। मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश अपने संज्ञान में आए मामले में दिया, पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी के काम न करने की शिकायत थी। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या सरकार ने इन कैमरों के कामकाज की नियमित जांच (ऑडिट) की है।
यदि हां, तो उसकी पूरी रिपोर्ट कोर्ट को सौंपे। इसके साथ ही सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को 12 सवालों के जवाब दो हफ्ते में देने को कहा और अगली सुनवाई 14 अक्तूबर को तय की है। बता दें कि ये पूरा मामला एक मीडिया रिपोर्ट के बाद उठा था, जिसमें बताया गया था कि 2025 के पहले आठ महीनों में राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 लोग मारे गए, जिनमें से सात मामले उदयपुर डिवीजन के थे।

फडणवीस ने पीएम से की मुलाकात, किसानों के लिए मांगी आर्थिक मदद

नई दिल्ली
महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। फडणवीस ने उनसे महाराष्ट्र में हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण नुकसान झेलने वाले किसानों की आर्थिक मदद करने का आग्रह किया। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के बीड और अन्य जिलों में इस सप्ताह के शुरू में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलों और आवासीय संपत्तियों की बड़े पैमाने पर तबाही हुई। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। भारी बारिश के बाद राज्य की स्थिति के बारे में उन्हें जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार से इस संबंध में प्रस्ताव भेजने को कहा है जिस पर विचार किया जाएगा। भाजपा के घोषणापत्र में किसानों की कर्जमाफी की बात कही गई है और सरकार का ध्यान इसे और अधिक प्रभावी बनाने पर है। फडणवीस ने कहा कि घोषणा पत्र में दिए गए कर्जमाफी के आश्वासन को हम निश्चित रूप से पूरा करेंगे। इस संबंध में एक समिति गठित की गई है, जो कर्जमाफी पर फैसला करेगी। कर्जमाफी बार-बार नहीं की जा सकती, इसलिए इस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा कि इसे और प्रभावी कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा कि खरीफ फसल के लिए लिए गए ऋण को अगले वर्ष चुकाना होगा। किसानों की तात्कालिक चिंता उनके खातों में मदद पहुंचाना है। इसलिए यह मदद पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होगी। इससे पहले गुरुवार को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने बृहस्पतिवार को बीड जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था।

दिल्लीः पानी के बकाया बिलों पर ब्याज माफ, कनेक्शन शुल्क में भी बड़ी कटौती

पानी के बिलों पर ब्याज दर घटाई गई।

पानी के मीटर लगाने के नियम बदले

बैठक में बड़े प्रोजेक्ट्स को दी गई मंजूरी

नई दिल्ली
दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर दिल्ली जल बोर्ड की बोर्ड बैठक में लिए गए कई अहम फैसलों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड पिछले कई वर्षों से भारी कर्ज में है, जिससे दिल्लीवासियों को बिल और नए कनेक्शन को लेकर लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। मंत्री ने बताया कि पानी के बिलों पर ब्याज दर को घटा दिया गया है। अब तक जल बोर्ड के बिलों पर 5 प्रतिशत प्रति बिल-साइकिल कंपाउंडिंग ब्याज लगता था। इसे घटाकर 2 प्रतिशत प्रति बिल-साइकिल कर दिया गया है। पहले 100 रुपये का बकाया बिल एक साल में 178 रुपये हो जाता था, अब वही बिल 130 रुपये में सिमट जाएगा।

बकाया पानी बिल पर ब्याज माफ
सरकारी और घरेलू उपभोक्ताओं के बकाया पानी बिल पर ब्याज माफ करने की घोषणा की गई है। यह योजना अगले माह से लागू होगी।

31 जनवरी तक बिल जमा करने वालों को 100 प्रतिशत छूट मिलेगी

31 मार्च तक जमा करने वालों को 70 प्रतिशत छूट मिलेगी
मंत्री ने बताया कि जल बोर्ड पर बकाया बिल 87,589 करोड़ रुपये है, जिसमें से 80,463 करोड़ रुपये केवल ब्याज है। इस माफी योजना के तहत विभिन्न इलाकों में कैंप लगाए जाएंगे।
उन्होंने स्पष्ट किया कि यह इस सरकार के कार्यकाल की पहली और अंतिम बिल माफी योजना है। अब किसी भी प्रमाणपत्र के लिए बिजली बिल की तरह तीन माह का पानी बिल दिखाना अनिवार्य होगा। व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए छूट की घोषणा बाद में की जाएगी।

कनेक्शन शुल्क में भारी कमी
अवैध घरेलू कनेक्शन को वैध कराने पर अब 26,000 रुपये की जगह 1,000 रुपये शुल्क (31 मार्च तक) लिया जाएगा। इसके बाद फिर से 26,000 रुपये शुल्क लगेगा। अवैध व्यावसायिक कनेक्शन को वैध कराने के लिए पहले 61,500 रुपये लगते थे, अब केवल 5,000 रुपये लगेंगे।

पानी के मीटर लगाने के नियम बदले
अब अपना पानी का मीटर लगवाने वालों को अधिक विकल्प मिलेंगे। पहले केवल 1,000 लोगों को मीटर लगाने के लिए लाइसेंस दिया जाता था, जो घटकर 250 रह गया था। अब इसे बढ़ाकर 1,000 से अधिक किया जाएगा। इसके लिए आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थाओं से बात की जाएगी। इस व्यवस्था के बाद जल बोर्ड खुद मीटर नहीं लगाएगा, जिससे एक लाख से अधिक लंबित आवेदन तेजी से निपट सकेंगे।

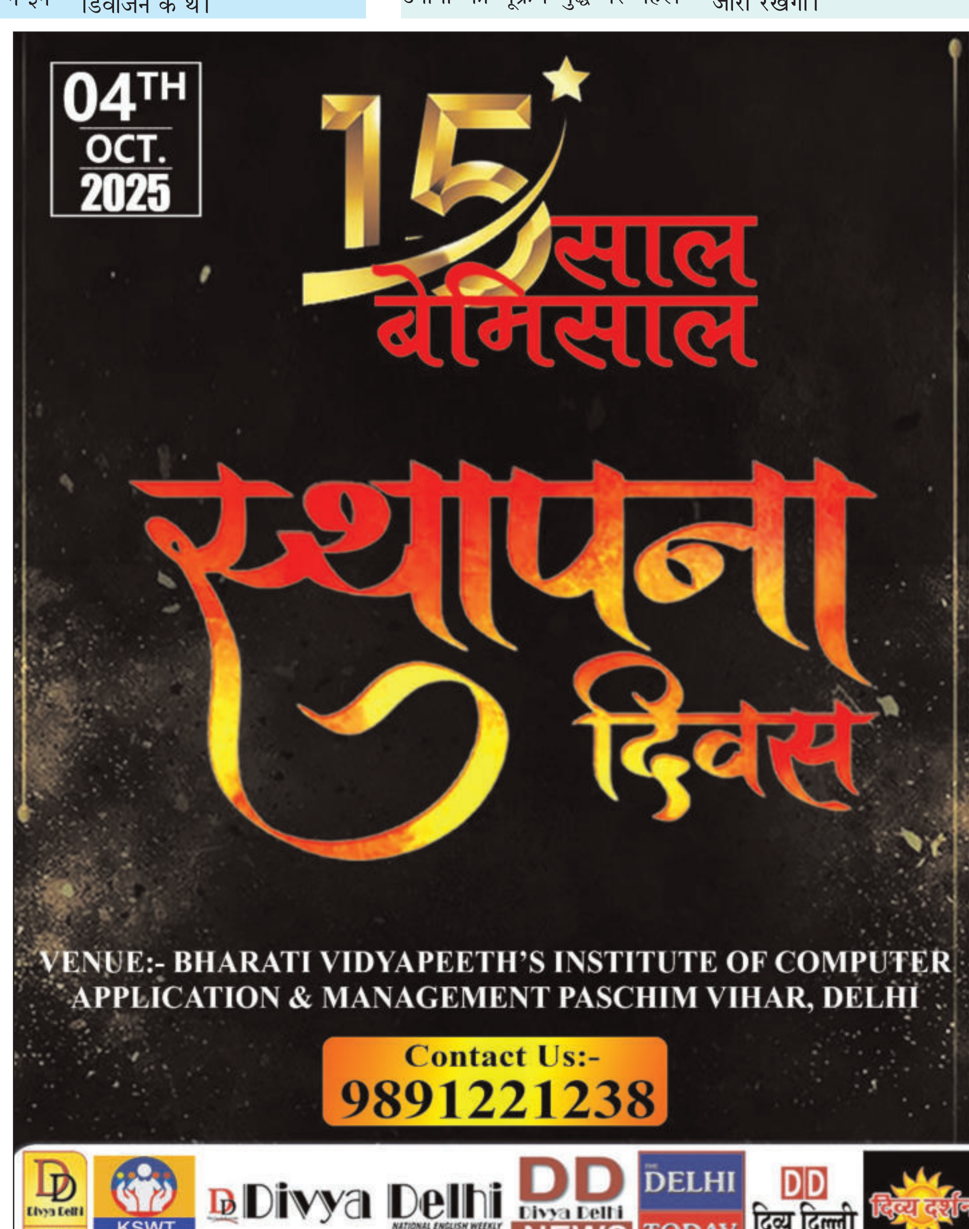

'बंगाल में ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण कर पाए'

शाह ने दुर्गा पूजा की शुरूआत में बारिश और बिजली के करंट से हुई मौतों पर संवेदना व्यक्त की

कोलकाता
कोलकाता दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां उत्तर कोलकाता के प्रसिद्ध संतोष मित्रा स्क्वायर के पूजा पंडाल का उद्घाटन किया, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर' की थीम पर इस बार अपना पंडाल बनाया है। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त संबोधन में शाह ने कहा कि मैंने मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में एक ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण कर पाए।हमारा बंगाल बंगाल का गौरव वापस लौटे और कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर के कल्पना का बंगाल का हम निर्माण कर पाए।

समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को किया याद
शाह ने दुर्गा पूजा की शुरूआत में कोलकाता व आसपास के जिलों में भारी बारिश से हुई तबाही व बिजली के करंट से मारे गए 10 से अधिक लोगों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की। गृह मंत्री ने कहा कि मैं और पूरा भाजपा परिवार पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हूं।शाह ने बंगाल व देश की समग्र जनता को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवरात्रि में नौ दिन का पूजा उत्सव सिर्फ बंगाल व भारत ही नहीं पूरे विश्व में प्रचारित हुआ है। बंगाल में दुर्गा पूजा की इस महान परंपरा को पूरे विश्व ने स्वीकार किया है। नौ दिन तक बंगाल में हर व्यक्ति शक्ति पूजा में अपने आप को समर्पित कर देते हैं।
शाह ने इस अवसर पर शिक्षाविद् व महान समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को भी उनकी जयंती पर याद किया। शाह ने कहा कि ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने शिक्षा व समाज सुधार के क्षेत्र में बंगाल व देश के लिए अपना पूरा जीवन खपा दिया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। महान समाज सुधारक व शिक्षाविद ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जी ने नारी शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह और कुप्रथा मुक्त समाज निर्माण के लिए आजीवन कार्य किए। अनेक भाषाओं के विद्वान विद्यासागर जी शिक्षा को समाज सुधार का सबसे बड़ा साधन मानते थे। उनकी जयंती पर उन्हें नमन करता हूँ। इस अवसर पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य सहित पूरा प्रदेश भाजपा नेतृत्व मौजूद रहा। इस पूजा के आयोजक कोलकाता नगर निगम में भाजपा पार्षद सजल घोष हैं। शाह ने इसके बाद कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना की।

प्राकृतिक आपदा में अब तक 10 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है

इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 10 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। विपक्ष पहले ही इस मुद्दे पर राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा कर चुका है, ऐसे में शाह की टिप्पणी को राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। संतोष मित्रा स्क्वायर की इस पूजा के आयोजकों में भाजपा नेता और कोलकाता नगर निगम के सदस्य सजल घोष प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमित शाह ने वर्ष 2023 में भी इसी मंडप का उद्घाटन किया था, जब इसकी थीम राम मंदिर रखी गई थी।

शाह ने कोलकाता में किया संतोष मित्रा स्क्वायर दुर्गा पूजा का उद्घाटन

कोलकाता
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता के उत्तर हिस्से में प्रतिष्ठित संतोष मित्रा स्क्वायर दुर्गा पूजा मंडप का उद्घाटन किया। सुबह 11:20 बजे पहुंचे शाह ने इस वर्ष की थीम ऑपरेशन सिन्दूर का अवलोकन किया, जिसमें पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना के आतंकवाद-विरोधी अभियान की झलक प्रस्तुत की गई है। पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री का यह दौरा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पूजा उद्घाटन के बाद उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना करते हुए कहा, ह्लइस चुनाव के बाद बंगाल में ऐसी सरकार बनेगी जो ह्यसोनार बांग्लाह्न का निर्माण करेगी। हमारा बंगाल फिर से सुरक्षित, सुजलाम-सुफलाम और शांत होगा। शाह ने भारी वर्षा और बिजली गिरने से हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर में गृह मंत्री शाह ने की पूजा

कोलकाता
पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के उत्साह के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को संतोष मित्रा स्क्वायर दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करने के बाद कालीघाट स्थित प्रसिद्ध काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। शाह ने मां काली का आशीर्वाद लिया और मंदिर के पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक विधि-विधान से विशेष पूजा संपन्न कराई। अमित शाह के इस दौरे को नवरात्रि के मौके पर विशेष महत्व दिया जा रहा है। पूजा के दौरान उन्होंने देश और बंगाल की समृद्धि एवं शांति की कामना की। भाजपा नेताओं का मानना है कि नवरात्र के इस शुभ अवसर पर शाह का कालीघाट मंदिर पहुंचना न केवल धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है बल्कि यह बंगाल की सांस्कृतिक धारा को सम्मान देने का भी संदेश है। मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और केंद्रीय बलों के साथ स्थानीय पुलिस ने भी पूरे परिसर की घेराबंदी की। शाह के आगमन पर मंदिर के आस-पास बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि, नवरात्रि के इस पावन पर्व पर बंगाल की जनता के बीच धार्मिक आस्था अपने चरम पर होती है। ऐसे समय में अमित शाह का मां काली के दरबार में आशीर्वाद लेना राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है, खासकर जब राज्य में विधानसभा चुनाव का समय नजदीक है।

सिक्किम की बागवानी में आई विविधता: शिवराज

नई दिल्ली
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल के अंतर्गत सिक्किम के बर्मीओक स्थित बागवानी महाविद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन और वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का वर्चुअल उद्घाटन किया। कार्यक्रम में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, सिक्किम के कृषि मंत्री पूरन कुमार गुरुंग, कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे। शिवराज सिंह ने कहा कि मधुमक्खीपालन, मशरूम की खेती, बांस, औषधीय पौधों की रोपण जैसी गैरपरंपरागत फसलों को बढ़ावा देने से सिक्किम की बागवानी गतिविधियों में बहुत विविधता आई है। सिक्किम एक जैविक राज्य है। केमिकल फर्टिलाइजर से दूर शुद्ध उत्पाद यहां के किसान सिक्किम ही नहीं, पूरे देश में पहुंचाने का काम कर रहे हैं। सिक्किम में खेती को आगे बढ़ाने में भारत सरकार अपनी ओर से कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। देश में जैविक उत्पादन बढ़ रहा है और यह आज की जरूरत भी है। उन्होंने कहा कि फूलों की खेती, बांस की खेती, बागवानी में किसानों की आय में वृद्धि करने की संभावना है। इसके साथ ही चौहान ने कहा कि एक चिंता यह है कि हम कैसे जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें। केमिकल फर्टिलाइजर के अत्यधिक उपयोग के कारण अनेकों प्रकार के रोगों को हमने एक प्रकार से निमंत्रण दिया है। ये धरती केवल हमारी नहीं है बल्कि आने वाली हमारी पीढ़ियों के लिए भी है। अगर ऐसे ही केमिकल फर्टिलाइजर का उपयोग होता रहा तो आने वाले दिन आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत शुभ नहीं होंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि नवनिर्मित भवन का निर्माण 52 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। इसके निर्माण से सिक्किम के हमारे बेटे-बेटियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिलेगी। सिक्किम अद्भुत प्रदेश है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर सिक्किम की जलवायु अद्भुत है। सिक्किम की धरती पर एवोकाडो, कीवी, बड़ी इलायची, आर्किड सहित सब्जियों में अदरक, हल्दी, टमाटर और गोभियों की व्यापक संभावनाएं हैं। शिवराज सिंह ने कृषि के विद्यार्थियों से कहा कि वे कृषि से संबंधित शिक्षा प्राप्त करने के बाद कृषि कार्यों से ही जुड़े रहें।

उत्तरकाशी के धराली-खीरगंगा तबाही की जांच पूरी, टीम ने जुटाई अहम जानकारी

उत्तरकाशी
पांच अगस्त को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गाँव में खीरगंगा नदी की बाढ़ से हुई तबाही की जांच के लिए भेजी गई सीमा जागरण मंच की विशेषज्ञ टीम ने महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई हैं। कर्नल अजय कोठियाल के नेतृत्व में 12 पर्वतारोही, पर्यावरण रक्षक और 6 पोर्टरों का दल 23 सितंबर को खीरगंगा उद्गम स्थल पहुंचा था। टीम लीडर कर्नल अजय कोठियाल (उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष) ने शुक्रवार को उत्तरकाशी में पत्रकारों को बताया कि यह पहली विशेषज्ञ टीम है जो उद्गम स्थल तक पहुंची।

उन्होंने बताया कि हमने 23 सितंबर को इस अभियान की शुरूआत की और 25 सितंबर को इसे समाप्त किया।
हम आपदा प्रभावित घाटी में तीन दिनों तक रहे और तस्वीरें, वीडियो, ड्रोन से फुटेज लिए। साथ ही ऊपर के स्थानों में रहने वाले स्थानीय चरवाहों से बातचीत की और उनके बयान दर्ज किए। कई स्थानीय लोगों से मिले जो आपदा के दौरान ऊंचाई वाले इलाकों में थे।

लेह में हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ हो कार्रवाई, लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं: जयराम

मंडी
पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने लेह हिंसा के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। मंडी में पत्रकारों से बातचीत में जयराम ठाकुर ने कहा कि लेह में जो हिंसक घटनाक्रम हुआ है वो निंदनीय है। केंद्र सरकार इस विषय पर लगातार नजर बनाए हुए है और उचित कार्रवाई की जा रही है। लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है लेकिन इस तरह की हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। इसलिए जिन लोगों ने ऐसी अप्रिय घटना को अंजाम दिया है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जयराम ठाकुर ने कथित वोट चोरी मामले पर बोलते हुए कहा कि आज यह आरोप उस पार्टी के नेता लगा रहे हैं जिन्होंने खुद वोट चोरी करके सत्ता चलाई थी। हिमाचल में कांग्रेस ने 10 झूठी गारंटीयों के दम पर ही जनादेश हथियाया है। संविधान की आत्मा को तार- तार करने वाले बाबा साहब को हराने के लिए 74 000 वोटो को निरस्त करने वाले नेताओं के परिजन भाजपा पर ऐसा निराधार आरोप लगा रहे हैं, उन्हें शर्म आनी चाहिए आज राहुल गांधी की देश में कोई स्वीकायर्ता नहीं हैं और कोई भी उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता है। इसलिए उनके ऐसे आरोपों के कोई मायने नहीं रह जाते, इस बात को पूरा देश देख रहा है। इससे पहले जयराम ठाकुर ने भाजपा के संगठनात्मक जिला मंडी के अस्थाई कार्यालय का विधिवत शुभारंभ भी किया। जयराम ठाकुर ने बताया कि स्थाई कार्यालय के लिए जमीन तलाशी जा रही है और उसके बाद इसका निर्माण किया जाएगा।

भारत के पास अगले साल तक होंगे 20 जेट इंजन: एचएएल चेयरमैन

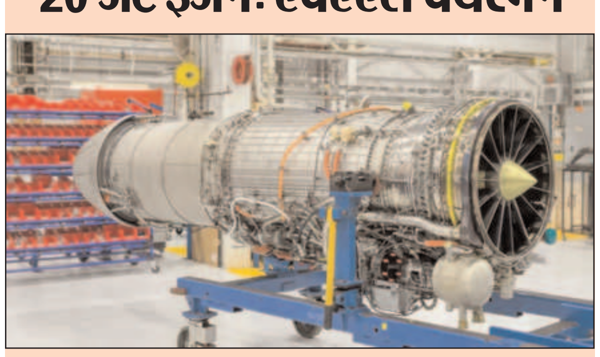

नई दिल्ली
हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के चेयरमैन डीके सुनील ने गुरुवार को विश्वास जताया कि अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक एमके-1ए लड़ाकू विमानों के लिए इंजन की आपूर्ति बढ़ाएगी और इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 12 इंजन डिलीवर किए जाने की उम्मीद है।

तेजस लड़ाकू विमान में जीई-404 इंजन लगाया जाता है
जनरल इलेक्ट्रिक के शीर्ष प्रबंधन के साथ एचएएल की बैठक हुई है और वे नियमित रूप से काफी जानकारी साझा कर रहे हैं। जीई ने अगले साल 20 इंजन की आपूर्ति करने का वादा किया है। बताते चलें, तेजस लड़ाकू विमान में अमेरिकी कंपनी का जीई-404 इंजन लगाया जाता है। डीके सुनील ने एक साक्षात्कार में कहा, हम उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं। जीई ने हमें एक साल में 12 इंजन देने का वादा किया था। लेकिन, शायद अब हमें वित्तीय वर्ष के अंत तक 12 इंजन मिल जाएंगे। इस साल हमें 10 मिल सकते हैं। बाकी मार्च तक मिल जाएंगे। हमने 10वां विमान पहले ही बना लिया है और 11वां विमान तैयार है। वह अब अपनी आपूर्ति श्रृंखला को ठीक कर रही है।

मौजूदा समस्याएं अब सुलझ गई हैं- कंपनी
उन्होंने कहा, मौजूदा समस्याएं अब सुलझ गई हैं। जीई के अधिकारी नियमित रूप से इंजन की स्थिति और समस्याओं के बारे में जानकारी साझा कर रहे हैं। हमें पूरा भरोसा है कि वे अब उत्पादन बढ़ाकर हमारी जरूरत पूरी कर सकेंगे।

एमके-2 लड़ाकू विमानों के लिए फ्रांसीसी इंजन पर विचार नहीं
एचएएल के चेयरमैन डीके सुनील ने कहा कि एमके-2 विमानों के लिए फ्रांसीसी इंजन पर कोई चर्चा नहीं हुई है और भारत का स्वदेशी रूप से विकसित किया गया उन्नत लड़ाकू विमान जीई-414 इंजन के अनुसार डिजाइन किया गया है।
उन्होंने उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि भारत फ्रांसीसी इंजन पर विचार कर रहा है। कहा कि अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक के साथ बातचीत उन्नत चरण में है। अमेरिका द्वारा भारतीय सामान पर टैरिफ लगाने से उत्पन्न गतिरोध का जीई के साथ बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

राज्यभर में दिव्यांगजनों के लिए लगाएं विशेष स्वास्थ्य शिविर

देहरादून
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सचिव स्वास्थ्य को निर्देश दिए कि समय-समय पर प्रदेशभर में दिव्यांगजनों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाए। इन शिविरों में दिव्यागजनों को उन्हें उपचार एवं चिकित्सा सुविधाओं के साथ ही प्रमाण-पत्र, कृत्रिम अंग एवं अन्य सहायक उपकरण भी मौके पर ही उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में राज्य दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांगजनों के कल्याण के चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों का पूरा लाभ उन्हें सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ मिले।
समाज के इस वर्ग की समस्याओं का समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सचिव समाज कल्याण को निर्देश दिए कि बैठक में प्राप्त सुझावों पर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न शासकीय सेवाओं में नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान आरक्षण के प्रावधानों के अनुसार दिव्यांगजनों को पूरा लाभ दिया जाए।

पंजाब विधानसभा में विधायकों व मंत्रियों का हंगामा

चंडीगढ़
पंजाब में आई बाढ़ के मुद्दे पर बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान शुक्रवार को उस समय हास्यपद स्थिति पैदा हो गई, जब सदन की कार्यवाही के बीच आम आदमी पार्टी के विधायक और मंत्री सीटें छोडकर खड़े हो गए और केंद्र सरकार के विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी। पंजाब के इतिहास में यह पहला मौका था, जब ट्रेजरी बेंचों की तरफ से सदन में हंगामा किया गया और स्पीकर को सदन की कार्यवाही बीस मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस विशेष सत्र में पंजाब के पुनर्वास के मुद्दे पर सदन में पूरा दिन बहस चली, जिसमें बाढ़ के दौरान पंजाब में हुई तबाही को लेकर सभी विधायकों ने अपने विचार रखे और पंजाब को दोबारा खड़ा करने पर सुझाव दिए। इस बीच आम आदमी पार्टी के विधायकों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया।

अंतिम उड़ान के साथ मिग-21 को 'अलविदा', भावुक हुए जांबाज पायलट

मिग-21 62 साल की सेवा के बाद रिटायर, विंग कमांडर तिवारी ने साझा किए अनुभव, एयर चीफ मार्शल ने बताया बेहतरीन विमान

लखनऊ
मिग-21 वह लड़ाकू विमान जिसने न केवल मेरा करियर बनाया, बल्कि मुझे अनुशासन, टीम वर्क और सटीकता के साथ जीना सिखाया। ढेर सारी यादें, चुनौती और गर्व देने के लिए मिग-21 का बहुत-बहुत शुक्रिया। मिग-21 भारतीय वायुसेना की 62 साल की सेवा के बाद

आप रिटायर तो हो सकते हो, लेकिन आपकी परंपरा उन लोगों के दिल में सदैव जीवित रहेगी, जिन्होंने आपके साथ काम किया। आप एक मशीन से बढ़कर थे।

भारत की ताकत और बदलाव के प्रतीक, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी विंग कमांडर (अवकाशप्राप्त) मुकेश तिवारी की बहुत सी यादें मिग-21 के साथ जुड़ी हैं। बख्शी का तालाब वायुसेना स्टेशन की 35 स्क्वाड्रन में रहते हुए भी उन्होंने मिग-21 के साथ कई ऑपरेशनों में हिस्सा लिया। मिग-21 चंडीगढ़ में अंतिम बार उड़ान भरा। मिग-21 की विदाई विंग कमांडर तिवारी को भावुक कर देने वाली है। मिग-21 को 'उड़ता ताबूत' की संज्ञा दी गई, लेकिन वायुसेना में अपना करियर शुरू कर कई साल तक इससे जुड़े रहे पायलट इस बात को सिरे से नकारते हैं। स्वयं सेवानिवृत्ति से ठीक पहले मिग-21 की अंतिम बार उड़ान भरने वाले एयर चीफ मार्शल (अवकाशप्राप्त) बीरेंदर सिंह धनोआ इसे ट्रेनिंग के लिए सबसे अच्छा लड़ाकू विमान मानते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर चीफ मार्शल धनोआ मानते हैं कि भारतीय वायुसेना दुनिया के किसी अन्य देशों की अपेक्षा अधिक समय तक मिग-21 इसलिए उड़ा सकी, क्योंकि इसका अपग्रेडेशन आसान था, इसलिए यह एचएएल के आधारभूत ढांचे को भी सूट करता था। मिग-21 को उड़ता ताबूत कहा गया, यह बिल्कुल गलत है। यदि आप इसके हादसों की उड़ान और उसके घंटे से तुलना करें तो मिग-21 का रिकॉर्ड बहुत अच्छा है। मिग-21 अपने समय के ही विमान एफ-104 स्टार फाइटर की तरह सुरक्षा कारणों से रिटायर या फेसआउट नहीं हो रहा है। यह तकनीकी आयु पूरा होने के कारण सेवानिवृत्त हो रहा है।

पंजाब विधानसभा में बाढ़ पर रिपोर्ट पेश, मुख्यमंत्री सोमवार को जवाब देंगे

चंडीगढ़
पंजाब विधानसभा में जल संसाधन मंत्री बरिंद्र गोयल ने पंजाब के पुनर्वास मुद्दे पर विधानसभा में प्रस्ताव पेश करते हुए बाढ़ पर रिपोर्ट पेश की। सदन की कार्यवाही के दौरान आम आदमी पार्टी विधायकों के निशाने पर प्रधानमंत्री ही रहे। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री भगवंत मान सोमवार को सदन में सरकार का पक्ष रखते हुए जवाब देंगे। जल संसाधन मंत्री बरिंदर गोयल ने शुक्रवार को कहा कि यह बाढ़ 1988 से भी बड़ी थी। उस वक्त 11 लाख 20 हजार क्यूसिक पानी आया था, लेकिन इस बार 14 लाख 11 हजार क्यूसिक पानी आया। यह 20 प्रतिशत ज्यादा पानी था। मंत्री ने केंद्रीय मौसम विभाग के अनुमान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पंजाब में अनुमान से ज्यादा बारिश हुई, जबकि हम इन्हीं के अनुमान पर निर्भर रहते हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और पाकिस्तान वाला सारा पानी पंजाब की नदियों में आ गया। मंत्री ने कहा कि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड का कंट्रोल पंजाब सरकार के पास होना चाहिए। गोयल ने कहा कि मुश्किल वक्त में केंद्र सरकार मदद करती है। हैरानी की बात ये है कि बाढ़ के बाद केंद्र के नेता आए। जख्मों पर मरहम लगाने के बजाय उन्होंने कहा कि माइनिंग ज्यादा हो गई, इस वजह से बाढ़ आई।

दिल्ली की 1000 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की शुरूआत कर मुबारकपुर डबास में 66 केवी ग्रिड सब-स्टेशन की आधारशिला रखी

दिल्ली ने हरित ऊर्जा की ओर बढ़ाया कदम : रेखा गुप्ता

सोलर रूफटॉप हर वर्ष 28,000 से अधिक यूनिट स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करेगा

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान आज दिल्ली ने विकास और हरित ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली की 1000 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की शुरूआत कर मुबारकपुर डबास में 66 केवी ग्रिड सब-स्टेशन की आधारशिला रखी और नरेला को अग्निशमन केंद्र की सौगात दी। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चंदोलिया, मंत्री आशीष सूद, विधायक कुलवंत राणा और राजकरण खत्री मौजूद रहे। रिठाला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रिठाला स्थित दिल्ली जल बोर्ड भवन की छत पर स्थापित 25 किलोवॉट का आधुनिक सोलर रूफटॉप हर वर्ष 28,000 से अधिक यूनिट स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करेगा। आज से दिल्ली की 1000 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि सरकारी इमारतें अब ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर दिल्ली की पहचान बनेंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज यहां से मुबारकपुर डबास में 66 केवी ग्रिड सब-स्टेशन की आधारशिला भी रखी गई है। यह परियोजना कराला सहित आसपास के 16 फीडर क्षेत्रों को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इसी क्रम में आज नरेला को भी एक अत्याधुनिक अग्निशमन केंद्र की सौगात दी गई, जिसमें आधुनिक उपकरणों और आपदा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के साथ दिल्ली न केवल पुरानी समस्याओं का समाधान कर रही है, बल्कि प्रगति के नए रास्ते भी खोल रही है। जलभराव से मुक्त हुआ मिंटो ब्रिज, सड़कों पर दौड़ती ई-वी बसें और लगातार छोटे हो रहे कूड़े के पहाड़ इसका प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि सालों से गोबर की समस्या पर किसी ने ध्यान दिया। जो नालियों और नालों के माध्यम से बहकर सालों से यमुना नदी को प्रदूषित कर रही।

हमारी सरकार ने आते ही इस पर ध्यान दिया और 20 सितंबर को नंगली डेयरी नजफगढ़ में देश के पहले 200 मीट्रिक टन प्रतिदिन गोबर आधारित बायो गैस संयंत्र का उद्घाटन किया।

दिल्ली विधानसभा में विठ्ठलभाई पटेल और भगत सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की गई

नई दिल्ली
दिल्ली विधानसभा ने केंद्रीय विधानसभा के पहले निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष विठ्ठलभाई झावेरभाई पटेल की 152वीं जयंती और शहीद भगत सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर एक पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया। विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। समारोह में दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, विठ्ठलभाई पटेल ने ईमानदारी और निर्भीकता के साथ संसदीय परंपराओं की नींव रखी, वहीं शहीद भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनके जीवन से हमें लोकतंत्र की रक्षा करने और जनता की सेवा में समर्पित रहने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा, आज का यह समारोह न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दो महानायक विठ्ठलभाई पटेल और शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर रहा, बल्कि यह साहस, त्याग और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनः स्मृति भी बना। दिल्ली विधानसभा ने उनके आदर्शों और विरासत को संरक्षित करने तथा राष्ट्र-सेवा में आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

डीबीसी कर्मचारियों की मांग को लेकर अंकुश नारंग ने महापौर को लिखा पत्र

नई दिल्ली
आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता और दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने दिल्ली में बढ़ते मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मामलो और डीबीसी कर्मचारियों की मांग को लेकर शुक्रवार को महापौर राजा इकबाल सिंह और निगमायुक्त अश्वनी कुमार को पत्र लिखा है। उन्होंने बताया कि डीबीसी कर्मचारियों की हड़ताल से स्थिति और गंभीर हो सकती है। अंकुश नारंग ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि जो 5200 डीबीसी कर्मचारी मलेरिया, चिकनगुनिया और डेंगू की रोकथाम के लिए घर-घर जा रहे हैं, वे 29 सितंबर को हड़ताल पर जा रहे हैं। निगम उनकी मांग पूरी नहीं कर पा रही है। डीबीसी कर्मचारी समान वेतन, चिकित्सा अवकाश को अर्जित अवकाश में बदलने और मृत्यु की स्थिति में परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। नारंग ने बताया कि इस साल दिल्ली में डेंगू के 685 मामले और इस सप्ताह 66 नए मामले सामने आए हैं। मलेरिया के कुल 333 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें इस सप्ताह 36 नए मामले शामिल हैं, जो पिछले पांच सालों का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। इसके अलावा, चिकनगुनिया के 52 मामले सामने आए हैं, जिनमें इस सप्ताह 6 नए मामले शामिल हैं, जो भी पिछले पांच सालों में सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया के मामलों में वृद्धि चिंता का विषय है। ऐसे में सरकार को इस पर काबू पाने के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए।

दिल्ली पुलिस से मुठभेड़ के बाद दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली
दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुग्राम पुलिस के साथ मिलकर शुक्रवार तड़के करीब 4:30 बजे सेक्टर-99 में मुठभेड़ के बाद नीरज तेहलान हत्याकांड के दो वांछित बदमाशों को दबोचा। पकड़े गए आरोपितों की पहचान गोयला खुर्द, छावला निवासी मोहित जाखड़ (29) और विपिन गार्डन निवासी जतिन राजपूत (21) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपितों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। दोनों ओर से कुल 6 राउंड गोलियां चलाई गईं। एक गोली हेड कॉन्स्टेबल नरपत की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जबकि दूसरी एसआई विकास के बाएं हाथ में जा लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें दोनों आरोपित पैरों में गोली लगने से घायल हो गए। मौके से पुलिस ने दो पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। दोनों घायलों को इलाज के लिए सेक्टर-10 स्थित सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2024 प्रदान किए। राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि खनिजों ने मानव सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। धरती के गर्भ में विद्यमान खनिज पदार्थों ने मानव जीवन को आधार दिया है और हमारे व्यापार एवं उद्योग को आकार दिया है। पाषाण युग, कांस्य युग और लौह युग- मानव सभ्यता के विकास के प्रमुख चरणों के नाम खनिजों के नाम पर रखे गए हैं। लोहा और कोयला जैसे खनिज पदार्थों के बिना औद्योगीकरण अकल्पनीय होता। राष्ट्रपति ने कहा कि खनन आर्थिक विकास के लिए संसाधन प्रदान करता है और रोजगार के व्यापक अवसर पैदा करता है। हालांकि, इस उद्योग के कई प्रतिकूल प्रभाव भी हैं, जिनमें स्थानीय निवासियों का विस्थापन, जंगल का उजड़ना, वायु एवं जल प्रदूषण जैसे कई दुष्प्रभाव भी होते हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए खनन प्रक्रिया के दौरान सभी नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। खदानों को बंद करते समय भी उचित प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्थानीय निवासियों और वन्यजीवों को कोई नुकसान न हो। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हमारा देश तीन तरफ से महासागरों से घिरा हुआ है। इन महासागरों की गहराई में कई मूल्यवान खनिज तत्वों के भंडार हैं। भूवैज्ञानिक राष्ट्र के विकास के लिए इन संसाधनों के उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भूवैज्ञानिकों से ऐसी तकनीकें विकसित करने का आग्रह किया जो समुद्री जैव विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए राष्ट्र के लाभ के लिए समुद्र तल के नीचे के संसाधनों का दोहन कर सकें।

राष्ट्रपति ने कहा कि भूवैज्ञानिकों की भूमिका खनन तक सीमित नहीं है। उन्हें भू-पर्यावरणीय स्थिरता पर खनन के प्रभाव पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। खनिज उत्पादों के मूल्यवर्धन और अपव्यय को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का विकास और उपयोग आवश्यक है। यह सतत खनिज विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

जैव ऊर्जा और प्रौद्योगिकियों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुईं सीएम

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को जैव ऊर्जा और प्रौद्योगिकियों पर आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुईं। भारतीय हरित ऊर्जा महासंघ ने 24 से 26 सितंबर तक द्वारका स्थित यशोभूमि में सम्मेलन का आयोजन किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मंच से आज हम बायोएनर्जी, एथेनॉल, कम्प्रेस्ड बायोगैस, बायो-मोबिलिटी और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल जैसे विषयों पर मंथन कर रहे हैं। यह केवल टेक्नोलॉजी नहीं बल्कि हमारे भविष्य की दिशा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़े के दौरान आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के दौरान दिल्ली सरकार 15 दिनों में जनहित की 75 सेवाएं दिल्लीवासियों को समर्पित कर रही हैं।

पार्क में सैर के लिए आए व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली
दक्षिण जिले के मालवीय नगर थाना क्षेत्र में सुबह सैर पर निकले कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कांग्रेस नेता को घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस पार्क में मौजूद लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि मृतक को तीन गोली मारी गई थी। हत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। यह वारदात विजय मंडल पार्क बेगमपुर में हुई है। गोली चलते ही जो लोग पार्क में मौजूद थे, वो वहां से भाग गए। मृतक के परिवार का दावा है कि लखपत सिंह कटारिया कांग्रेस के लोकल स्तर पर सक्रिय नेता थे। पुलिस उपायुक्त के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 9:53 बजे पार्क में गोली चलने की सूचना मिली। अभी वारदात की वजह का पता नहीं चल पाया है। पार्क में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है। पीड़ित के परिवार वालों से संपर्क करके छानबीन की जा रही है। वहीं, पार्क में मौजूद एक गार्ड देवेंद्र सिंह ने बताया कि जिनको गोली मारी गई, वह रोजाना सैर पर आते थे। शुक्रवार सुबह भी वह पार्क में पहुंचे। इस बीच उनकी किसी से बहसबाजी हो गई। आरोपितों ने पहले उन पर बैट से हमला किया, फिर उसके बाद गोलियां चला दी। मामले की सूचना तुरंत पार्क के गार्ड ने पुलिस को दी। जिन्हें गोली मारी गई है, उनकी पहचान लखपत सिंह कटारिया के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि मृतक की पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह सहित कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के साथ तस्वीर है।

उनके जानकारों का कहना है कि किसी से उनका विवाद भी हुआ था, आज उन पर पहले डंडे से हमला किया गया, फिर गोली मारी गई। फिलहाल पुलिस घटनास्ल पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है।

ईएसआईसी योजना से जुलाई महीने में जुड़े 20 .36 लाख नए कर्मचारी

नई दिल्ली
कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की ईएसआई योजना के तहत जुलाई में कम से कम 20.36 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं, जो जून महीने में नामांकित कुल 19.37 लाख नए कर्मचारियों की तुलना में 4.86 फीसदी अधिक है।

जुलाई में 20.36 लाख नए पंजीकरणों में 48.37 फीसदी 25 वर्ष से कम आयु के युवा हैं।

युवाशक्ति ही विकसित भारत 2047 के निर्माणकर्ता: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, हमारी युवाशक्ति ही विकसित भारत 2047 के निर्माणकर्ता हैं। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, हिंदी का प्रचार-प्रसार और नवाचार की ओर बढ़ने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यार्थियों को सम्मानित करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। मुख्यमंत्री ने समारोह के दौरान कालेज के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा, ह्युवाओं के विचार, ऊर्जा और राष्ट्रप्रेम ही दिल्ली और देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। उन्होंने कॉलेज के नवनिर्वाचित छात्र संघ को भी शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, हमारी सरकार ने आते ही दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में वेतन और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान किया, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता पर कोई आंच न आए। उन्होंने कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय का जो मंत्र दिया, उसी भाव को यह संस्थान जीवंत करता है।

निगम के अधिकारी फील्ड में नियमित निरीक्षण करें : महापौर

नई दिल्ली
निगम के अधिकारी फील्ड में नियमित निरीक्षण करें और गलतियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। यह बातें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की साधारण सभा की बैठक में महापौर राजा इकबाल सिंह ने कही। शुक्रवार को सिविक सेंटर के सभागार में उन्होंने कहा कि बैठक में नागरिकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महापौर राजा इकबाल सिंह ने बताया की दिल्ली नगर निगम की साधारण सभा की बैठक लगभग 5:30 घंटे तक चली, जिसमें सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सभी पार्षदों ने सकारात्मक सहभागिता दिखाई। बैठक में विभिन्न वार्डों से संबंधित मुद्दों, नागरिक सुविधाओं तथा स्वच्छता व स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। महापौर ने बताया कि बैठक में विशेष रूप से मच्छर जनित बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया तथा जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि निगम ने पहले से ही दवाओं के भंडारण, छिड़काव और फॉगिंग जैसे उपायों को तेज कर दिया है ताकि आमजन को इन बीमारियों से सुरक्षा मिल सके। महापौर ने यह भी बताया कि बैठक के दौरान आम आदमी पार्टी के कुछ पार्षदों ने चर्चा में व्यवधान डालने का प्रयास किया, लेकिन

पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने उठाए सवाल

नई दिल्ली
दिल्ली उच्च न्यायालय ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े से मानहानि की उनकी याचिका की स्वीकार्यता पर सवाल किए हैं। वानखेड़े ने शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान के स्वामित्व वाली रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। वानखेड़े का आरोप है कि इन कंपनियों ने अपनी सीरीज 'द बैड बॉयज ऑफ बॉलीवुड' में उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है। जस्टिस पुष्पेन्द्र कौरव की बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या वेब सीरीज के दर्शक दिल्ली में हैं इसलिए दिल्ली उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार हो जाएगा। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को याचिका में संशोधन करने को कहा। वानखेड़े ने शाहरुख खान, उनकी पत्नी गौरी खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और अन्य पक्षों से 2 करोड़ का हजार्ना मांगा है। वानखेड़े ने कहा है कि वेब सीरीज में उनकी छवि गलत तरीके से पेश की गई है। इसके जरिए न केवल समीर वानखेड़े बल्कि जांच एजेंसी की छवि को खराब करने की कोशिश की गई है। याचिका में कहा गया है कि समीर वानखेड़े और आर्यन खान का मामला अभी बंबई उच्च न्यायालय और ट्रायल कोर्ट में विचाराधीन है इसलिए इस, विषय पर वेब सीरीज का निर्माण करना कोर्ट के काम में हस्तक्षेप करने के बराबर है। याचिका में कहा गया है कि वानखेड़े की छवि को हुए नुकसान की एवज में कोर्ट जो हजार्ना तय करे उसे टाटा मेमोरियल अस्पताल को दे दिया जाए। वानखेड़े की याचिका में कहा गया है कि वेबसीरीज की सामग्री सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के कई प्रावधानों का उल्लंघन करती है, क्योंकि यह अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री के माध्यम से राष्ट्रीय भावनाओं को चोट पहुंचाने का प्रयास करती है।

नगर निगम ने संपत्तिकर निपटान योजना की अवधि तीन माह बढ़ाई

नई दिल्ली
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने करदाताओं को राहत देते हुए अपनी संपत्तिकर निपटान योजना (सुनियो) 2025-26 की अवधि को तीन माह के लिए बढ़ा दिया है। निगम ने शुक्रवार को जानकारी दी कि अब यह योजना 31 दिसंबर तक लागू रहेगी। पहले इसकी अंतिम तिथि 30 सितंबर तय थी। निगम के अनुसार इस विस्तार के दौरान योजना की सभी शर्तें पूर्ववत रहेंगी। हालांकि एक अक्टूबर से 31 दिसंबर के बीच भुगतान करने वालों को मूल कर राशि पर दो फीसदी विलंब शुल्क देना होगा। एमसीडी ने जानकारी दी कि एक जून से शुरू हुई इस योजना में अब तक लगभग 1.16 लाख करदाताओं ने भाग लिया है, जिससे निगम को 370.27 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। इनमें से 65,874 नए करदाताओं ने भी कर भुगतान किया, जिससे निगम को अतिरिक्त 187.8 करोड़ का लाभ हुआ।
नगर निगम ने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ उठाते हुए समय पर संपत्तिकर का भुगतान करें और विलंब शुल्क से बचें।

संपादकीय

तेजस्वी के खिलाफ घर वालों की बगावत से बीजेपी गदगद

संजय सक्सेना

बिहार की सियासत में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा का विषय लालू प्रसाद यादव का परिवार बना हुआ है। लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल में नेतृत्व की बागडोर संभाल रहे तेजस्वी यादव को लेकर एक बार फिर से घर के भीतर खटपट की खबरें सामने आ रही हैं। विपक्षी नेताओं ने इस खटपट को और गहराने का मौका पकड़ लिया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने तो तेजस्वी यादव को राजद का औरंगजेब तक करार दे दिया। उनका आरोप है कि तेजस्वी पहले अपने ही बड़े भाई का राजनीतिक करियर खत्म कर चुके हैं और अब अपने पिता लालू प्रसाद यादव तक को चुप करा दिया है। इस तरह का बयान मिलने के बाद यह सवाल और गहरा गया है कि क्या वाकई लालू परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। तेजस्वी के खिलाफ उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव, बहन मीसा भारती और रोहणी आचार्य तीनों खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं। क्या इसका असर बिहार की राजनीति और खासतौर पर आगामी चुनावों में राजद पर पड़ेगा,यह भविष्य की राजनति में छिपा है।

तेजस्वी यादव, जो लंबे समय तक लालू प्रसाद यादव के सबसे भरोसेमंद वारिस माने जाते रहे हैं, आज पूरी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। लेकिन हाल के दिनों में संगठन और परिवार के भीतर से यह खबरें लगातार आ रही हैं कि सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। लालू परिवार में राजनीतिक वर्चस्व को लेकर पुराने मतभेद कई बार सतह पर आए हैं। तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव के बीच की तनातनी किसी से छिपी नहीं है। तेजप्रताप कई बार सार्वजनिक मंचों से अपनी उपेक्षा का दर्द बयां कर चुके हैं। कभी कहा गया कि उन्हें पार्टी में सम्मान नहीं मिल रहा तो कभी यह आरोप लगे कि उनकी अनदेखी कर सारी शक्ति धीरे-धीरे तेजस्वी के हाथों में सौंप दी गई है।

तेजप्रताप यादव के अलावा मीसा भारती भी कई मौकों पर अपने राजनीतिक महत्वाकांक्षा को सामने ला चुकी हैं। मीसा को राजनीति में ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका क्यों नहीं मिल रही, यह सवाल समर्थकों के बीच खड़ा होता रहा है। इस तरह यह साफ है कि लालू परिवार में उत्तराधिकार और नेतृत्व का सवाल हमेशा से भीतर-भीतर तनाव का कारण बना रहा है। आज जब भाजपा जैसे विपक्षी दल लालू परिवार में इस खटपट को उभार रहे हैं और तेजस्वी यादव को औरंगजेब कहकर संबोधित कर रहे हैं, तो यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि एक गहरे संकट की ओर इशारा भी है। अमित मालवीय का आरोप यह संकेत देता है कि भाजपा आगामी चुनाव में इस परिवारिक विवाद को बड़े मुद्दे के रूप में सामने लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने जिस तरह कहा कि तेजस्वी ने अपने भाई को राजनीतिक रूप से खत्म कर दिया और पिता को जेल के हवाले छोड़ दिया, उसी तरह यह एजेंडा बनाकर जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया जा सकता है। बिहार की राजनीति में परिवारवाद का सवाल हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है। इस पर हमला कर विपक्ष अपने लिए मौका तलाशता है।

लालू यादव का प्रभाव अब भी मुस्लिम-यादव समीकरण में गहरा है लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब जनता यह भी देख रही है कि जिन नेताओं ने परिवार के नाम पर राजनीति की, उनके भीतर ही असहमति और मतभेद का माहौल क्यों है। राजद के मतदाताओं के सामने यह स्थिति असमंजस पैदा कर सकती है। तेजस्वी यादव की छवि जहां एक युवा और महत्वाकांक्षी नेता की है, वहीं दूसरी ओर उनके भीतर के परिवारिक विवाद विपक्ष के लिए मजबूत हथियार बनते जा रहे हैं। तेजस्वी यादव ने अब तक इस विवाद पर खुलकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वे अपनी राजनीतिक यात्राओं और अभियानों में लगे हुए हैं, लेकिन पार्टी के भीतर यह असंतोष धीरे-धीरे और गहराता जा रहा है। संगठन के कई पुराने नेता भी निजी बातचीत में स्वीकार करते हैं कि अगर परिवारिक संघर्ष सार्वजनिक रूप से और बढ़ा तो इसका नुकसान पार्टी को चुनावी मैदान में भुगतना पड़ेगा। यह नुकसान खासकर उन इलाकों में झेलना पड़ सकता है जहां राजद का सामाजिक आधार कमजोर हो चुका है या फिर जहां भाजपा और जदयू ने पैठ बना ली है।

शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्रि का मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है ह्यनौ रातेंह्ल, और इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

वसन्त की शुरूआत और शरद ऋतु की शुरूआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने झ कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री। नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं।

आयुर्वेद दिवस: बीमारियों के बाजार में, संजीवनी शास्त्र की पुनर्वापसी

डॉ राजाराम त्रिपाठी

मामूली खाँसी-बुखार और ?10,000 की जाँच–क्या यही आधुनिक विज्ञान है?

कभी खलबट्टा डॉक्टर कहे गए वैद्य, आज पूरी दुनिया पढ़ रही है छ्यी स्र्रील्लू जीवन शास्त्र!

अरबों-खरबों का वैश्विक हर्बल बाजार, और भारत की झोली में सिर्फ.मुट्ठी भर।

हमारे पास 4500 प्रकार की जड़ी बूटियां, 7.55 पंजीकृत आयुर्वेदिक डाक्टर/वैद्य , फिर भी आयुर्वेद वैकल्पिक कहलाता है!

23 सितम्बर को जब देशभर में आयुर्वेद दिवस के नाम पर संगोष्ठियाँ और समारोह हो रहे थे, तब दूसरी ओर अंग्रेजी अस्पतालों की ओपीडी में लंबी कतारें लगी थीं, दवा दुकानों में धक्का-मुक्की मची थी और चिकित्सा-विज्ञान का यह अजब तमाशा था कि मामूली खाँसी-बुखार तक के लिए पर्ची पर दवा लिखने से पहले दस हजार रुपए की जांचें अनिवार्य समझी जाती हैं। गजब का विज्ञान है यह, जिसका इलाज जांचों से शुरू होता है और आधा दर्जन दवाइयों और दर्जनों हानिकारक साइड इफेक्ट्स के साथ खत्म।

इसके बरक्स हमारी प्राचीन विद्या का गौरव था नाड़ी-विज्ञान। वैद्य केवल नाड़ी पर हाथ रखकर ही रोगी से यह तक बता देते थे कि उसने पिछली रात क्या खाया था। यही नहीं, परंपरागत कथाएँ और प्रयोग बताते हैं कि कभी-कभी तो कलाई पर बँधे धागे से दूर बैठे वैद्य भी रोगी की दशा का बारीकी से वर्णन कर देते थे, वह भी बिना किसी एक्स-रे, एमआरआई, एंडोस्कोपी के। यह प्रश्न आज भी उठता है कि इस ज्ञान को पुनर्जीवित क्यों नहीं किया जा सकता, जबकि संपूर्ण मानवता के हित में यह सस्ता, सुलभ और सर्वसमावेशी मार्ग हो सकता है?

इतिहास गवाह है कि अंग्रेजी राज में आयुर्वेद को योजनाबद्ध तरीके से हाशिए पर धकेला गया। अंग्रेजी डॉक्टरों को तीन गुना वेतन मिलता था और आयुर्वेदिक चिकित्सकों को खलबट्टा डॉक्टर या हाफ डॉक्टर कहकर अपमानित किया जाता था। अमेरिका में तो अभी कुछ सालों पहले तक आयुर्वेद को हैंकी-जैंकी साइंस कहा जाता था, पर अब नहीं सिलेबस में इस तरह के विज्ञानों को लाइफ साइंस माना जाने लगा है और पढ़ाया जाने लगा है। लेकिन आयुर्वेद के जनक भारत का यह दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्रता के बाद भी स्वास्थ्य-नीतियाँ लगातार पश्चिमी मॉडल पर ही टिकी रहीं। यही कारण है कि आज भी आयुर्वेद को वैकल्पिक चिकित्सा कहकर दरकिनार कर दिया जाता है, जबकि सच तो यह है कि यह भारत की मुख्य चिकित्सा परंपरा है।

भारत सरकार ने पहली बार 2016 में 28 अक्टूबर को धनतेरस यानी धनवंतरी दिवस को पहला आयुर्वेद दिवस मनाया। इसके बाद प्रत्येक धनतेरस धनवंतरी दिवस को आयुर्वेद दिवस मनाया जाता रहा। पहली बार अलग से एक स्थाई तिथि 23 सितंबर आयुर्वेद दिवस मनाने हेतु तय की गई है निश्चित रूप से इसे एक सार्थक सकारात्मक पहल कहा जाएगा।

कोरोना महामारी ने इस सच को पुनः रेखांकित किया। घर-घर तक पहुँचे काढ़ों, त्रिकटु और अश्वगंधा जैसे फॉमूर्लेशन्स ने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। अवरत्र-64 पर किए गए रैंडमाइज्ड ट्रायल्स ने दिखाया कि मानक देखभाल के साथ इसका प्रयोग रोगियों की रिकवरी को तेज करता है और बीमारी की अवधि घटाता है। और सबसे अहम–इनका कोई साइड इफेक्ट सामने नहीं आया। यह तथ्य है, केवल भावनात्मक दावा नहीं।

लेकिन अवसर के साथ संकट भी है। हालिया रूस यात्रा के दौरान मैंने देखा कि अश्वगंधा जैसी हमारी गौरवशाली औषधियाँ निगेटिव लिस्ट में डाल दी गई हैं। इसका सीधा असर निर्यात पर पड़ रहा है। यह विडम्बना है कि जब अमेरिका भारत को अतिरिक्त टैरिफ लाभ दे रहा है, तब कुछ अन्य देश हमारे हर्बल उत्पादों के मार्ग में कृत्रिम दीवारें खड़ी कर रहे हैं। यह केवल भारत के लिए व्यापार का प्रश्न नहीं, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य-न्याय का भी मुद्दा है।

वैश्विक हेल्थ और हर्बल प्रोडक्ट्स का बाजार आज वर$ 42झ54 अरब के बीच आँका जा रहा है, जबकि व्यापक परिभाषा में यह कई गुना बड़ा है। इसके मुकाबले भारत का हर्बल और अवरत्र उत्पादों का निर्यात सिर्फ. वर$ 651 मिलियन (2023झ24) रहा। क्या यह शर्म की बात नहीं कि जिस भूमि पर चारक, सुश्रुत और धन्वंतरि जैसे महान वैद्य जन्मे, वहाँ आज वैश्विक बाजार में हमारी हिस्सेदारी इतनी तुच्छ हो?

दूसरी ओर हमारे पास अनुपम संसाधन हैं। भारत के पास 16 जलवायु-पट्टियाँ हैं, जहाँ से दुनिया की अधिकांश औषधीय आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है। हमारे पास 7.55 लाख से अधिक पंजीकृत अवरत्र चिकित्सक, सैकड़ों अस्पताल और हजारों डिस्पेंसरी हैं। यदि इन्हें शोध, मानकीकरण और प्रमाणन की सही दिशा दी जाए तो भारत वैश्विक हर्बल आपूर्ति-श्रृंखला का नेतृत्व कर सकता है।

पर यह सब केवल आंकड़ों का खेल नहीं। यह किसानों और आदिवासियों की रोजी-रोटी से जुड़ा प्रश्न है। औषधीय पौधों की खेती से किसान की आय कई गुना बढ़ सकती है। जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में जो ज्ञान परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है, उसे संगठित कर बाजार से जोड़ा जाए तो यह न केवल किसानों का भविष्य बदलेगा बल्कि हमारी जैव विविधता भी सुरक्षित होगी। आज आयुर्वेद दिवस मनाना, अन्य अनगिनत दिवसों की भांति केवल दीप जलाने या भाषण देने भर का अवसर नहीं होना चाहिए। यह हमें यह याद दिलाने का दिन है कि आयुर्वेद केवल Alternative Medicine नहीं, बल्कि Life Science है, जीवन का शास्त्र। चरक का वचन आज भी हमें झकझोरता है, स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्, आतुरस्य विकार प्रशमनम् च।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय: एकात्म मानववाद, अंत्योदय और स्वदेशी विचारों के आदर्श प्रतीक

वासुदेव देवनानी

भारत के राजनीतिक और वैचारिक इतिहास में जिन महान विभूतियों ने अपने जीवन, चिंतन और कर्म से समाज को नई दिशा दी, उनमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित है। वे भारतीय राजनीति और चिंतन के शाश्वत मार्गदर्शक थे । उनका जन्म 25 सितंबर 1916 को उत्तरप्रदेश के मथुरा जनपद के नगला चंद्रभान (वर्तमान में पंडित दीनदयाल धाम) नामक छोटे से गाँव में हुआ। पंडित दीनदयाल जी के पिता भगवती प्रसाद जी उपाध्याय रेलवे में स्टेशन मास्टर थे और माता रामप्यारी जी धार्मिक प्रवृत्ति की घरेलू महिला थीं। माता-पिता के निधन के बाद उनका पालन-पोषण नाना-नानी और बाद में चाचा-चाची ने किया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। प्रारंभिक शिक्षा गाँव के स्कूल में, फिर गवर्नमेंट हाईस्कूल, सीकर (राजस्थान) में और आगे की शिक्षा उन्होंने पिलानी (राजस्थान) , कानपुर और आगरा विश्वविद्यालय में प्राप्त की। वे अपने छात्र जीवन में मेधावी और गोल्ड मेडलिस्ट रहे, साथ ही नैतिकता, अनुशासन और संगठनात्मक क्षमता में भी सबसे आगे थे। साधारण किसान परिवार में जन्म लेने के बावजूद वे असाधारण व्यक्तित्व और अद्भुत विचारशक्ति के धनी बने। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज और राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अर्पित कर दिया। उनकी जयंती केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को आत्मसात करने का अवसर है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संवाहक

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन और विचारधारा में भारतीय संस्कृति और परंपरा गहराई से रची-बसी थी। वे मानते थे कि भारत एक राजनीतिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसकी आत्मा सनातन धर्म के मूल्यों में निहित है। पश्चिमी विचारधाराओं के अंधानुकरण की बजाय उन्होंने भारत की समस्याओं का समाधान भारतीय दृष्टि से खोजने पर बल दिया। उनका जीवन हमेशा सादगीपूर्ण और एक तपस्वी जैसा था। उनकी न तो कोई निजी संपत्ति थी और नहीं उन्होंने कभी वैभव की चाह रखी । उनका जीवन त्याग और समर्पण की प्रतिमूर्ति रहा । वे जीवनपर्यन्त अविवाहित रहे और अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया । जीवन के इन्हीं आदर्शों से वे एक महान व्यक्तित्व के धनी और प्रेरणादायीपुरुष बने ।

राजनीतिक यात्रा की शुरूआत

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े। आरएसएस के प्रचारक के रूप में उन्होंने गाँव-गाँव जाकर राष्ट्रसेवा

और संगठन के कार्य किए। उनकी संगठन क्षमता को देखकर उन्हें भारतीय जनसंघ की स्थापना (1951) के समय महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ दी गईं। 1951 से 1968 तक उन्होंने पार्टी संगठन को ग्राम स्तर तक खड़ा किया। वे व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षा के स्थान पर संगठन और विचारधारा को प्राथमिकता देते थे।

एकात्म मानववाद-पंडित दीनदयाल जी का मौलिक चिंतन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सबसे बड़ा बौद्धिक योगदान ह्लएकात्म मानववादह्व का सिद्धांत है। यह उनका मौलिक चिंतन था जो कि भारतीय जीवन-दर्शन का राजनीतिक और आर्थिक स्वरूप है। उनके एकात्म मानववाद के सिद्धांतों के अनुसार मानव को केवल एक प्राणी न मानकर उसके सम्पूर्ण पूर्ण व्यक्तित्व का विहंगम दर्शन करना, समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास और समृद्धि(अंत्योदय) को पहुँचाना, पश्चिमी पूंजीवाद या साम्यवाद से अलग विकास का भारतीय मॉडल बनाना, शिक्षा, कला, भाषा और संस्कृति में स्वदेशी चेतना का विकास करना आदि मुख्य रूप से सम्मिलित है । यह विचार आज भी भारतीय राजनीति और नीति निर्माण में प्रासंगिक है।

संगठन कौशल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का संगठन कौशल अद्भुत था। उन्होंने जनसंघ के कार्यकताओं में अनुशासन, समर्पण और सेवा की भावना का संचार किया। वे स्वयं सादगी और नैतिकता के आदर्श व्यक्तित्व थे। वे ट्रेन से हमेशा सामान्य श्रेणी में यात्रा करते थे तथा सामान्य कार्यकताओं की तरह ही रहते थे । उनके नेतृत्व में भारतीय जनसंघ ने देशभर में अपनी अद्भुत पैठ बनाई, उन्होंने अपने परिश्रम, निष्ठा और लगन से पार्टी संगठन को गाँवों तक पहुँचाया।

अंत्योदय का मंत्र

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देश को ह्लअंत्योदयह्व की अवधारणा दी जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास को पहुँचाना था । यह केवल एक आर्थिक नारा नहीं था, बल्कि समाज के कमजोर, वंचित और शोषित वर्गों के लिए उनकी सच्ची समर्पित जिम्मेदारी की भावना थी। आज भारत सरकार और राज्य सरकारों की योजनाओं में ह्लअंत्योदयह्व शब्द और भावना सीधे-सीधे उनके चिंतन की ही देन है।

रहस्यमय परिस्थितियों में निधन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का 11 फरवरी 1968 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय स्टेशन (अब ह्लपंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शनह्व) पर रहस्यमय परिस्थितियों में निधन हुआ । यह घटना भारतीय राजनीति और विशेषकर जनसंघ के लिए अपूरणीय क्षति थी। मात्र 52 वर्ष की आयु में यह दिव्य पुरुष दुनिया छोड़ गया, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित और प्रासंगिक हैं। आज जब भारत के यशस्वी प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी ह्लआत्मनिर्भर भारतह्व की बात करते हैं तो यह ह्लस्वदेशीह्वऔर ह्लआत्मनिर्भरताह्व का नारा पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय के स्वदेशी दृष्टिकोण से मेल खाता है। उनकी अंत्योदय की नीति आज कारगर हो रही है और वर्तमान में गरीब कल्याण की सभी योजनाएँ, जनधन खाता, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत आदि योजनाएँ पंडित जी की अंत्योदय की भावना को मूर्त रूप दे रही हैं। आजभारतीय भाषाओं, परंपराओं और मूल्यों पर गर्व करना उनकी ही प्रेरणा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन, विचार और कार्य भारतीय राजनीति में एक आदर्श और प्रेरणा का स्रोत बन कर उभरा है। उन्होंने हमें यह सिखाया कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का मार्ग है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय और राजस्थान

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का राजस्थान से गहरा सम्बन्ध रहा है। यह सम्बन्ध केवल उनके बचपन और छात्र जीवन में यहाँ रहने, राजस्थान यात्राओं या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी विचारधारा राजस्थान की राजनीतिक, सामाजिक और विकासात्मक नीतियों के लिए एक आधारशिला बनी है ।

वागड़ को भी है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई जन अपेक्षाएं

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार 25 सितम्बर को मध्यप्रदेश और गुजरात से सटे दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी अंचल बांसवाड़ा जिले में 45 हजार करोड़ रु की लागत से बनने वाली 2800 मेगावाट क्षमता वाली महत्वाकांक्षी परमाणु बिजली घर परियोजना की आधारशिला रखने पधार रहे है। यह महती परियोजना बांसवाड़ा-रतलाम (मध्यप्रदेश) मार्ग पर दानपुर और छोटी सरवन के पास नापला गांव में बन रही है। राजस्थान में चितौड़गढ़ की रावतभाटा परमाणु बिजली घर के बाद यह दूसरी परमाणु बिजली घर परियोजना होगी जोकि दक्षिणी राजस्थान को न्यूक्लियर पॉवर प्लांट से बिजली उत्पादन का हब बनाएगी। इस परियोजना से राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात के आदिवासी अंचल में नए रोजगार और विकास के नए युग का सूत्रपात होने जा रहा है। बांसवाड़ा में माही बजाज सागर अंतर्राज्यीय बहुउद्देशीय परियोजना के बाद दक्षिणी राजस्थान की यह सबसे बड़ी परियोजना है। रावतभाटा परमाणु बिजली घर परियोजना चंबल नदी पर स्थित है जबकि बांसवाड़ा की परमाणु बिजली घर परियोजना माही नदी पर बनेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बांसवाड़ा में परमाणु बिजली घर परियोजना के शिलान्यास समारोह में एक लाख आठ हजार करोड़ रु की विकास योजनाओं की सौगात भी देंगे और मंच से 15 हजार युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र सुपुर्द करेंगे। साथ ही बीकानेर और जोधपुर से दिल्ली तक वन्दे भारत ट्रेन तथा उदयपुर से चंडीगढ़ के मध्य सीधी रेल सेवा का वर्चुअल ढंग से शुभारंभ करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करीब ढ़ाई वर्षों के बाद इस अंचल की यात्रा पर आ रहे है। इसके पूर्व वे अपने दूसरे प्रधानमंत्री कार्यकाल में राजस्थान और गुजरात की सीमा पर स्थित बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम आएं थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस आदिवासी अंचल की यात्रा से देश के सबसे बड़े भौगोलिक प्रदेश राजस्थान के साथ ही दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी बहुल और विकास की दृष्टि से पिछड़े वागड़ अंचल के नागरिकों को भी कई जन अपेक्षाएं है।

हालांकि शिलान्यास समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष सम्पूर्ण राजस्थान और वागड़ अंचल की प्रमुख समस्याओं और विकास की संभावनाओं तथा राज्य की विभिन्न परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता की मांग रख सकते है, फिर भी इस वागड़ अंचल के लोगों के मन में प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा से बहुत उम्मीदें है।

वैसे तो बांसवाड़ा में माही गंगा लाने वाले भागीरथ माने जाने वाले राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय हरिदेव जोशी ने इस अंचल के विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी थी जिसके फलस्वरूप आज माही बांध से इस आदिवासी इलाके की 1.75 लाख हेक्टेयर उपजाऊ भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है तथा दो माही जल विद्युत प्रोजेक्ट्स से बिजली का उत्पादन भी किया जा रहा है लेकिन स्वर्गीय हरिदेव जोशी के कई सपने अभी भी अधूरे है जिनमें से एक न्यूक्लियर पॉवर प्रॉजेक्ट प्लान्ट की स्थापना का सपना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरा करने जा रहे है परन्तु बांसवाड़ा में रेल लाने का उनका सपना आज भी पूरा होना शेष है। राजस्थान में बांसवाड़ा ही एक मात्र ऐसा जिला है जिसके किसी भी कौने से आजादी के 78 साल के बाद भी रेल लाईन नहीं गुजरती है। हालांकि न्यूक्लियर पॉवर प्रॉजेक्ट आने के साथ ही एक नई उम्मीद जगी है तथा कहा जा रहा है कि अब रतलाम-बांसवाड़ा-डूंगरपुर रेल परियोजना के कार्य को गति मिलेगी। साथ ही निकट भविष्य में बांसवाड़ा के रेल सुविधा से जुड़ने का सपना भी साकार होने वाला है। जानकारों का कहना है कि न्यूक्लियर पॉवर प्रॉजेक्ट के लिए रतलाम से बांसवाड़ा तक पृथक डेडीकेटेड रेल प्रोजेक्ट भी बन सकता है क्योंकि इतने बड़े प्रॉजेक्ट के लिए यह एक प्रकार से प्रथम आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डूंगरपुर झ बांसवाड़ा- रतलाम रेल परियोजना के बन्द पड़े कार्य को पुनः शुरू कराया है। वहीं नीमच झ बांसवाड़ा झ दाहोद झ नंदुरबार की वडोदरा को जोड़ने वाली नई रेललाइन के सर्वेक्षण की मंजूरी भी प्रदान की है जिससे दिल्ली और मुम्बई की दूरी सबसे कम हो जाएगी। साथ ही मध्य प्रदेश राजस्थान और गुजरात तीन प्रदेशों के आदिवासी अंचल पूरे देश के रेल नेटवर्क से सीधे जुड़ जाएंगे। वागड़ वासियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यह उम्मीद भी है कि माही परियोजना के शेष कार्य जैसे कि बांसवाडा में दो और हाइड्रो जल विद्युत बिजली घर और माही का सिंचाई पानी पूरे बांसवाड़ा और डूंगरपुर तथा उदयपुर संभाग के शेष असिंचित क्षेत्रों तक नई नहरों के नेटवर्क बिछाने से पहुंचेगा ताकि प्रायः सूखा और अकाल प्रभावित इस अंचल की भूमि सरसब्ज हो सके। अभी भीखाभाई नहर परियोजना पूरी तरह से सीरे पर नहीं चढ़ी है।

माही परियोजना के बेक वाटर में पानी का अथाह समुद्र है। यदि यहां मत्स्य पालन का काम शुरू करवाया जाए तो आदिवासियों का रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में पलायन रुक सकता है। देश की राजधानी नई दिल्ली और अन्य महानगरों के पांच सितारा होटलों में आज भी माही ब्रांड नेम से देशी विदेशी पर्यटकों को मछली परोसी जाती है। माही के साथ इस अंचल में सोम कमला आंबा और सोमकागदर बांध तथा एशिया की सबसे बड़ी कृत्रिम झीलों में से एक जय समन्द झील भी जहां बड़े पैमाने पर मत्स्य पालन का सरकारी स्तर पर एवं सहकारी समितियों के माध्यम से कारोबार किया जा सकता है जो कि आदिवासियों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बना सकता है। सिंचाई,बिजली,कृषि और मत्स्य पालन के साथ ही पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जो इस अंचल की कीर्ति को सात समुद्र पार ले जाने की क्षमता रखता है।

डेमोक्रेट्स शटडाउन पर ट्रंप से दो-दो हाथ करने को तैयार

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका में सरकारी शटडाउन की आहट के बीच डेमोक्रेट्स के सामने करो या मरो की स्थिति है। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि इस बार वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से दो-दो हाथ करने को तैयार हैं। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का मानना है कि सबसे बड़ा पाप शटडाउन की लड़ाई में ट्रंप से हारना नहीं, बल्कि लड़ने से इनकार करना होगा। एनबीसी न्यूज चैनल के अनुसार, इंडिविजिबल की सह कार्यकारी निदेशक लीह ग्रीनबर्ग का कहना है कि डेमोक्रेट्स को यह समझ में आ गया है कि हालात कितने गंभीर, कितने नुकसानदेह और कितने खतरनाक हो गए हैं। वे जवाबी कार्रवाई के लिए अपने पास मौजूद संसाधनों और ताकत का इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। इंडिविजिबल प्रगतिशील जमीनी स्तर का समूह है। इसकी अमेरिका में हजारों शाखाएं हैं। इस संबंध में सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने कहा कि इस बार उन्होंने कमर कस ली है। मार्च में हालात दूसरे थे। इस बार ट्रंप प्रशासन को गलत नीतियों के खिलाफ झंडा बुलंद किया जाएगा। फिलिबस्टर के जरिए रोका जाएगा। माना जा रहा है कि बुधवार रात 12:01 बजे संघीय एजेंसियों का खजाना खाली हो चुका है। डेमोक्रेटिक समर्थक अपने नेताओं पर दबाव बढ़ा रहे हैं कि वे ट्रंप से रियायतें हासिल करें।

भारत का आतंकवाद के दोहरे मानदंड पर प्रहार

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर ने जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद पर दोहरे मानदंड अपनाने वाले राष्ट्रों को नसीहत दी। हालांकि उन्होंने इस संदर्भ में किसी का भी नाम नहीं लिया। जयशंकर ने आतंकवाद पर जमकर प्रहार किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के अवसर पर आयोजित इस बैठक की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका ने की। जयशंकर ने कहा, राजनीतिक और आर्थिक रूप से अस्थिर अंतरराष्ट्रीय स्थिति में जी-20 सदस्यों की विशेष जिम्मेदारी है कि वे इसकी स्थिरता को मजबूत करें और इसे और अधिक सकारात्मक दिशा दें। उन्होंने कहा कि आतंकवाद विकास के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दुनिया आतंकवाद के प्रति न तो सहिष्णुता दिखाए और न ही सहयोग दे। जयशंकर ने कहा कि जो लोग किसी भी मोर्चे पर आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हैं, वे समग्र रूप से अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बड़ी सेवा करते हैं। विदेशमंत्री जयशंकर ने इसके अलावा ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज की बदलती दुनिया को ग्लोबल वर्क फोर्स की जरूरत है। कोई इस हकीकत को नकार नहीं सकता कि राष्ट्रीय जनसांख्यिकी के कारण कई देशों में ग्लोबल वर्क फोर्स की मांग पूरी नहीं हो पाती।

रूस 'मनमाने ढंग से' यूक्रेनी युद्धबंदियों को फांसी देता है : ओएससीई रिपोर्ट

वियना। रूस यूक्रेनी युद्धबंदियों के साथ अंतरराष्ट्रीय कानून के व्यापक और सुनियोजित उल्लंघनों का जिम्मेदार है, जिसमें मनमानी हत्याएं और फांसी शामिल हैं। यह खुलासा यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। वियना स्थित संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, रूस युद्धबंदियों के साथ यातना, अमानवीय व्यवहार, निष्पक्ष सुनवाई के अधिकारों से वंचित करना और असुरक्षित हिरासत एवं स्थानांतरण जैसी गंभीर उल्लंघन कर रहा है। तीन स्वतंत्र विशेषज्ञों की इस जांच में पाया गया कि रूस यूक्रेनी सैनिकों को युद्धबंदी के रूप में मान्यता ही नहीं देता। इससे उन्हें केवल शत्रुता में भाग लेने के लिए ही आपराधिक मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच में बड़ी संख्या में मनमानी हत्याएं और फांसी दर्ज की गई, जो रूसी संघ के जिम्मे आती हैं, और ये घटनाएं युद्धक्षेत्र तथा हिरासत दोनों जगह हुईं।अनुमान के अनुसार, फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से कम से कम 13,500 यूक्रेनी सैनिकों को कैद किया गया है। इनमें से लगभग 169 की कैद में मौत हो चुकी है, करीब 6,800 को रिहा कर स्वदेश लौटाया गया है, जबकि लगभग 6,300 अब भी हिरासत में हैं।

इजराइल ने वेस्ट बैंक से जॉर्डन जाने वाले क्रॉसिंग को आंशिक रूप से खोला

जेरूसलम। इजराइल ने वेस्ट बैंक और जॉर्डन के बीच एकमात्र एलनबी (करामा) क्रॉसिंग को सुबह से यात्रियों के लिए फिर से खोलने की घोषणा की है। इजराइल एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस क्रॉसिंग को पिछले शुक्रवार बंद किया गया था, जब गाजा के लिए जॉर्डन से मानवीय सहायता लेकर आए एक ट्रक चालक ने गोलीबारी कर दो इजराइली सैनिकों की हत्या कर दी थी। इसे सोमवार को थोड़े समय के लिए खोला गया, लेकिन मंगलवार को फिर से अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया था। एलनबी क्रॉसिंग वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनियों के लिए विदेश यात्रा का मुख्य मार्ग है और यही रास्ता जॉर्डन से वेस्ट बैंक तक वाणिज्यिक सामान लाने वाले ट्रकों के लिए भी उपयोग होता है। हालांकि फिलहाल इसे सिर्फ यात्री आवागमन के लिए खोला जाएगा, ट्रकों की आवाजाही बंद रहेगी। इसका असर गाजा के लिए भेजी जाने वाली सहायता सामग्री पर भी पड़ेगा। इस निर्णय को राजनीतिक स्तर के निर्देश के तहत लिया गया है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह अमेरिकी यात्रा से लौटने के बाद उन देशों (फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया) के कदम का जवाब देंगे, जिन्होंने हाल ही में फिलिस्तीन को मान्यता देने की घोषणा की है। नेतन्याहू के दक्षिणपंथी सहयोगी चाहते हैं कि सरकार इस मान्यता के जवाब में वेस्ट बैंक को अपने में मिला ले।

ट्रंप ने बताया 'महान', व्हाइट हाउस में हुई 'बेइज्जती', मुलाकात के लिए करना पड़ा इंतजार

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। हालांकि, इस बैठक से पहले शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर को काफी देर तक गेट पर ही इंतजार करना पड़ा। बताया जा रहा है कि जब शरीफ और मुनीर, ट्रंप का इंतजार कर रहे थे, तो उसी समय अमेरिकी राष्ट्रपति 'टिकटॉक' को लेकर कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर रहे थे और प्रेस से मुलाकात जारी थी। इसी कारण उन्हें ट्रंप से मुलाकात करने के लिए गेट पर ही इंतजार करना पड़ा। जैसे ही अमेरिकी राष्ट्रपति की मुलाकात खत्म हुई, उसके बाद उन्हें ट्रंप से मिलने का मौका मिला।

उनकी यह मुलाकात गुरुवार शाम को हुई। सूत्रों के अनुसार, इस

बैठक में द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। इस मुलाकात से पहले ट्रंप ने पत्रकारों से बात करते हुए शरीफ और मुनीर की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था, आज हमारे पास एक महान नेता आ रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल बहुत महान इंसान हैं, और प्रधानमंत्री भी। वे आ रहे हैं और शायद अभी इस कमरे में ही हों। इससे पहले, जून में ट्रंप ने मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच के लिए आमंत्रित किया था, जो पाकिस्तानी आर्मी चीफ की पहली सोलो विजिट थी। अगस्त में भी मुनीर वाशिंगटन गए थे।

जून के दौरे के दौरान मुनीर ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ व्यापक बातचीत की थी, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने जैसे मुद्दे शामिल थे। इस बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और मध्य पूर्व मामलों के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ भी शामिल थे। शहबाज शरीफ ने इस साल पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव कम करने के ट्रंप के प्रयासों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए उनका सार्वजनिक समर्थन किया था। हालांकि, भारत ने तनाव कम करने में ट्रंप की भूमिका से इनकार किया।

बलोचिस्तान की खनिज संपदा पर अमेरिका ने पाकिस्तान से समझौता कर हारे हुए घोड़े पर दांव लगायाः मीर यार

एजेंसी
क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता मीर यार बलोच ने पिछले दिनों अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बलोचिस्तान की खनिज संपदा को लेकर हुए समझौते पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के भ्रष्ट जनरलों के साथ इस संबंध में समझौता कर एक हारे हुए घोड़े पर दांव लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने ट्रंप को दुर्लभ खनिज निकालने का झूठा आश्वासन देकर यह समझौता किया है। मीर यार बलोच ने यह प्रतिक्रिया 25 सितंबर को एक्स पोस्ट पर दी। बलोच नेता मीर यार ने लिखा, बलूचिस्तान के खनिजों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति का पाकिस्तान के भ्रष्ट जनरलों के साथ समझौता, एक हारे हुए घोड़े पर दांव लगाने और एक निरर्थक उद्यम में पैसा लगाने से कम नहीं है। जिस समय असीम मुनीर और शहबाज शरीफ डोनाल्ड ट्रंप को दुर्लभ खनिज निकालने के झूठे आश्वासन दे रहे थे, उसी समय बलोच स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा बल उन खनिज समृद्ध क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण घोषित कर रहे थे, जिससे पाकिस्तान का झूठ बेहद अपमानजनक तरीके से उजागर हो रहा था। मीर यार बलोच ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कल रात बलूच रक्षा और सुरक्षा इकाइयों ने सुरब और कलात के दो महत्वपूर्ण जिलों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर अपनी चौकियां स्थापित कर दीं। कब्जा करने वाली सेना के दो वाहनों को हथियारों और रसद के साथ अपने कब्जे में ले लिया।

डोनाल्ड ट्रंप ने 'टिकटॉक' से जुड़ी डील को दी मंजूरी, अब अमेरिका करेगा ऐप को कंट्रोल

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें टिक-टॉक को अमेरिका में संचालित करने के समझौते को मंजूरी दी गई है। कार्यकारी आदेश के अनुसार, टिकटॉक का अमेरिकी ऐप 'अमेरिका में स्थापित एक नए संयुक्त उद्यम' द्वारा संचालित किया जाएगा। अमेरिकी सरकार के आदेश के अनुसार, टिकटॉक का अमेरिकी ऐप अब एक नई अमेरिकी कंपनी द्वारा संचालित होगा। इस कंपनी का अधिकांश हिस्सा और नियंत्रण अमेरिकी लोगों के पास होगा। यह किसी विदेशी शत्रु देश के नियंत्रण में नहीं रहेगा। ओरेकल, सिल्वर लेक और कुछ अन्य अमेरिकी निवेशक इस नई कंपनी में बहुमत हिस्सेदारी रखेंगे। इसमें यह भी कहा गया कि टिकटॉक की चीनी मालिक कंपनी बाइटडांस इस संस्था में 20 प्रतिशत से कम हिस्सेदारी रखेगी।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने घोषणा की कि टिकटॉक यूएस का मूल्य 14 बिलियन डॉलर होगा। उन्होंने कहा कि हम टिकटॉक को चलाने की अनुमति देना चाहते

थे, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहते थे कि अमेरिकी नागरिकों की डेटा गोपनीयता कानून के अनुसार सुरक्षित रहे। इस समझौते से अमेरिकी लोग टिकटॉक का उपयोग अधिक भरोसे के साथ कर सकेंगे, क्योंकि उनका डेटा सुरक्षित रहेगा और इसे प्रचार के हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि टिकटॉक के एल्गोरिदम का नियंत्रण अमेरिकी निवेशकों के पास रहेगा। उन्होंने कहा कि यह डील इस बात को सुनिश्चित करती है कि अमेरिकी कंपनी और अमेरिकी निवेशक एल्गोरिदम को वास्तव में नियंत्रित करेंगे। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे लोग और हमारे निवेशक अपने व्यवसाय के हित में निर्णय लें, न कि किसी दूसरी सरकार के प्रचार तंत्र के हित में।

पाकिस्तान में हाई कोर्ट जज की कानून की डिग्री रद्द, कर्तव्य पालन पर रोक, सुप्रीम कोर्ट से मांगा इंसाफ

एजेंसी
इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के न्यायाधीश तारिक महमूद जहांगीरी ने उच्चतम न्यायालय से इंसाफ की मांग की है। यह मामला उनकी कानून की डिग्री से जुड़ा हुआ है। कराची विश्वविद्यालय ने 32 वर्ष बाद उनकी कानून की डिग्री रद्द कर दी है। न्यायाधीश जहांगीरी ने सिंध उच्च न्यायालय (एसएचसी) में कराची विश्वविद्यालय के फैसले को चुनौती देते हुए कहा कि न्यायिक स्वायत्तता की पक्षधरता के लिए उन्हें कार्यपालिका के शक्तिशाली सदस्यों से प्रतिशोध का सामना करना पड़ रहा है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, कराची विश्वविद्यालय के सिंडिकेट ने विश्वविद्यालय की अनुचित साधन (यूएफएम) समिति की सिफारिश पर 31 अगस्त 2024 को न्यायमूर्ति जहांगीरी की कानून की डिग्री रद्द कर दी। हालांकि पांच सितंबर, 2024 को एसएचसी ने विश्वविद्यालय के फैसले को स्थगित कर दिया। पिछले हफ्ते 16 सितंबर को आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश सरदार मोहम्मद सरफराज डोगर और न्यायमूर्ति मुहम्मद आजम खान की खंडपीठ ने न्यायमूर्ति जहांगीरी को

उनके कर्तव्यों का पालन करने से रोक दिया। खंडपीठ न्यायाधीश पर संदिग्ध एलएलबी डिग्री रखने का आरोप लगाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

न्यायाधीश जहांगीरी ने आईएचसी खंडपीठ के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ 29 सितंबर को सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता वाली इस पीठ में न्यायमूर्ति जमाल खान मंडोखैल, न्यायमूर्ति मोहम्मद अली मजहर, न्यायमूर्ति हसन अजहर रिजवी और न्यायमूर्ति शाहिद वहीद शामिल हैं। इसके अलावा न्यायमूर्ति जहांगीरी ने अब इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में भी एक याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि जिस सामान्य संदर्भ में उनकी एलएलबी की डिग्री को अवैध और दुर्भावनापूर्ण तरीके से रद्द किया गया है, वह उनकी अडिग न्यायिक स्वतंत्रता है।

जहांगीरी का तर्क है कि उनकी डिग्री संघीय सरकार और उसकी एजेंसियों के हस्तक्षेप की वजह से दुर्भावनापूर्ण तरीके से रद्द की गई। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उच्चतम न्यायालय में न्यायमूर्ति जहांगीरी स्वयं इस मामले में उपस्थित होंगे या किसी वकील की सेवाएं लेंगे। इस्लामाबाद बार काउंसिल ने भी इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के उनके विरुद्ध दिए गए फैसले को चुनौती दी है।

मीर यार बलोच का संयुक्त राष्ट्र से बलोचिस्तान में हस्तक्षेप करने का आह्वान

एजेंसी
क्वेटा। बलोचिस्तान स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता मीर यार बलोच ने कहा कि बलोचिस्तान गणराज्य के सीमा बल हाई अलर्ट पर हैं। देश की मोबाइल इमिग्रेशन प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। यह कदम पाकिस्तान के आक्रामक रुख की वजह से उठाया गया है। पाकिस्तान की अवैध घुसपैठ और आक्रमण से हमारी सीमाओं को खतरा पैदा हो गया है। मीर यार बलोच ने संयुक्त राष्ट्र से तत्काल हस्तक्षेप करने का आह्वान किया है।

मीर यार बलोच ने एक्स पोस्ट में लिखा, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों से आग्रह किया जाता है कि वे बलूचिस्तान में हस्तक्षेप करें ताकि पाकिस्तान की अवैध घुसपैठ और आक्रमण से हमारी सीमाओं की सुरक्षा में मदद मिल सके। बलोच नेता ने मौजूदा हालात पर पड़ोसी देशों का ध्यान भी आकर्षित किया है। मीर यार ने कहा कि 1947 से बलूचिस्तान में बिना नागरिकता, वैध दस्तावेजों या उचित वीजा के रह रहे सभी अवैध पाकिस्तानी प्रवासियों को तुरंत देश छोड़ना होगा। उनका अनधिकृत प्रवास अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन है और बलोचिस्तान की संप्रभुता को कमजोर करता है।

मीर यार बलोच ने बलोच राष्ट्र से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि पंजाब प्रांत के बलोच क्षेत्रों- डेरा गाजी खान, तौंसा शरीफ, जैकोबाबाद और खानपुर की तत्काल वापसी होनी चाहिए। यहां गोरचानी, लिघारी, द्रेशक और मजारी जैसी बहुसंख्यक बलोच जनजातियां 18वीं शताब्दी से निवास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश साम्राज्यवादी ताकतों ने संयुक्त बलोचिस्तान को कमजोर करने के लिए इस क्षेत्र का विभाजन कर दिया था। बलोचिस्तान गणराज्य आज भी इन क्षेत्रों को पंजाब प्रांत और पाकिस्तान के प्रभुत्व से पूरी तरह मुक्त मानता है। उन्होंने कहा कि पश्तूनों और सिंधी समुदाय को तत्काल तय समय-सीमा के भीतर सिंध और पख्तूनिस्तान लौटने की छूट दी जाती है। बलोच ने जोर देकर कहा कि हमारी सीमाओं के भीतर पाकिस्तानी सेना की मौजूदगी क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए सीधा और गंभीर खतरा है। भलाई इसी में है कि पाकिस्तानी सेना पीछे हट जाए। बलोचिस्तान के संसाधनों का अवैध दोहन तुरंत बंद किया जाए। मीर यार बलोच ने इससे पहले 25 सितंबर को एक्स पोस्ट पर पिछले दिनों अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बलोचिस्तान की खनिज संपदा को लेकर हुए समझौते पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के भ्रष्ट जनरलों के साथ इस संबंध में समझौता कर एक हारे हुए घोड़े पर दांव लगाया है। मीर यार ने लिखा, बलोचिस्तान के खनिजों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति का पाकिस्तान के भ्रष्ट जनरलों के साथ समझौता, एक हारे हुए घोड़े पर दांव लगाने और एक निरर्थक उद्यम में पैसा लगाने से कम नहीं है।

बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट का खारान में सुरक्षा बलों के केंद्रीय शिविर पर हमला, सोराब में हथियार और वाहन छीने

एजेंसी
क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान के खारान शहर के बीचों-बीच स्थित पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के केंद्रीय शिविर पर बड़ा हमला हुआ है। हमले में हुए जान-माल की क्षति की तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी। उधर, सोराब में अज्ञात बंदूकधारियों ने संघीय सरकार के सुरक्षा कर्मचारियों को बंधक बनाकर उनके हथियार और वाहन छीन लिए। इस बीच, पूर्व बलोच छात्र नेता जुबैर बलोच को उनके पैतृक गांव मस्तुंग में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। पाकिस्तान सुरक्षा बलों के छापे में उनकी मौत हो गई थी। खारान हमले और सोराब की घटना पर अभी तक कोई सरकारी बयान सामने नहीं आया है।द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार खारान हमले की जिम्मेदारी बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने ली है। फ्रंट के प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने कहा कि गुरुवार दोपहर एक बजे लड़ाकों ने आधुनिक हथियारों और ग्रेनेड लांचरों के साथ खारान शहर के केंद्र में कब्जे वाले पाकिस्तानी बलों के केंद्रीय शिविर पर हमला किया। प्रवक्ता ने दावा किया कि इससे सुरक्षा बलों को काफी नुकसान हुआ है। फ्रंट बलोचिस्तान के गांवों, पहाड़ों, शहरों और राजमार्गों पर जबरिया कब्जा करने वाली पाकिस्तान की सेना को उखाड़कर ही दम लेगा।सोराब की घटना की अभी तक किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है। रिपोर्ट के अनुसार, सोराब तारिकी डैम इलाके में दर्जनों हथियारबंद लोगों ने हमला कर इलाके पर कब्जा कर लिया। इस दौरान हथियारबंद लोगों ने सीमा शुल्क विभाग के दो सरकारी वाहन, हथियार और अन्य सरकारी उपकरण छीन कर अधिकारियों को बंधक बना लिया। इसके अलावा हथियारबंद लोगों ने पास की लेवी और कस्टम चेक पोस्टों पर हमलाकर हथियार और रसद सामग्री लूट ली।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा फैसला, विदेशी दवाओं, फर्नीचर और ट्रकों पर लगाया भारी आयात शुल्क

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए टैरिफ की घोषणा से फिर दुनिया को हैरान कर दिया है। इस बार डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी फार्मास्यूटिकल्स, किचन कैबिनेट, फर्नीचर और ट्रकों पर भारी आयात शुल्क की घोषणा की है। उनका कहना है कि यह कदम अमेरिकी उद्योगों और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए उठाया जा रहा है।

ट्रंप ने विशेष रूप से भारी ट्रकों (हेवी ट्रक्स) पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही। उन्होंने कहा, ÷हमारे हेवी ट्रक विनिर्माणकर्ताओं को अनुचित बाहरी प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए 1 अक्टूबर से दुनिया के अन्य हिस्सों में बने सभी 'हेवी ट्रकों' पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने पीटरबिल्ट, केनवर्थ,

फ्रेटलाइनर और मैक ट्रक्स जैसी प्रमुख अमेरिकी कंपनियों का जिक्र करते हुए कहा कि ये कंपनियां विदेशी हस्तक्षेप से सुरक्षित रहेंगी। इसी तरह, रसोई कैबिनेट्स, बाथरूम वैनिटी और संबंधित उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ, जबकि अपहोल्स्टर्ड फर्नीचर पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की गई। राष्ट्रपति ने कहा, ये उत्पाद अन्य देशों की ओर से बड़े पैमाने पर अमेरिका में 'फ्लडिंग' हैं, जो एक अनुचित प्रथा है। राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य कारणों से हमारी विनिर्माण प्रक्रिया को बचाना जरूरी है। सबसे कठोर कदम फार्मास्यूटिकल उत्पादों पर उठाया गया है। ट्रंप ने ब्रांडेड या पेटेंटेड फार्मास्यूटिकल उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया, लेकिन छूट दी कि अगर कोई कंपनी अमेरिका में अपनी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का निर्माण करती है तो उस पर टैरिफ नहीं लगेगा। उन्होंने कहा, 'इससे अमेरिकी दवा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और विदेशी निर्भरता कम होगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी पोस्ट में अर्थव्यवस्था की तारीफ भी की।

नेपाल में ओली, देउवा समेत दर्जन भर नेताओं के पासपोर्ट निलंबित, बड़े नेताओं पर निगरानी बढ़ी

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउवा, उनकी पत्नी डॉ. आरजू राणा सहित कई पूर्व मंत्रियों का पासपोर्ट तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल के तरफ से शुक्रवार को विदेश मंत्रालय को पत्र भेज कर ओली, देउवा सहित एक दर्जन नेताओं का पासपोर्ट निलंबित करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा विघटित प्रतिनिधि सभा के सभी सांसदों के डिप्लोमेटिक पासपोर्ट सस्पेंड करने का भी निर्देश दिया गया है। विदेश मंत्रालय के सचिव अमृत राई ने आज सुबह इस बात को स्वीकार किया कि नेताओं के पासपोर्ट को लेकर उनके पास मुख्य सचिव का निर्देश आया है। हालांकि उन्होंने नेताओं का नाम बताने से इनकार कर दिया। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक विघटित प्रतिनिधि सभा के सभी सदस्य, सभी राजनीतिक दल के शीर्ष नेताओं का पासपोर्ट निलंबित करने का निर्देश मिला है। विदेश मंत्रालय ने इस निर्देश के बाद इसकी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की जानकारी दी है।

मुख्य सचिव की तरफ से गृह मंत्रालय के मार्फत इमिग्रेशन विभाग को सभी पूर्व प्रधानमंत्री, ओली सरकार के सभी मंत्री, राजनीतिक दल के सभी शीर्ष नेताओं को उच्च निगरानी में रखने और उनके द्वारा बिना सरकार की अनुमति या एनओसी के विदेश यात्रा नहीं करने देने का निर्देश दिया गया है। नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग को गृह मंत्रालय के मार्फत सीमावर्ती जिलों में रहने वाले सभी नेता, सांसद, निवर्तमान मंत्रियों पर निगरानी रखने और सड़क के माध्यम से सीमा पार करने की आशंका को लेकर सतर्कता बरतने और ऐसी किसी जानकारी की सूचना तत्काल हेडक्वार्टर में देने का निर्देश दिया गया है। कैबिनेट बैठक के बाद नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो, अख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोग और केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो को अलग-अलग पत्र भेज कर अब तक जांच की जा रही सभी हाई प्रोफाइल केस की स्टेटस रिपोर्ट दो दिनों के भीतर प्रधानमंत्री तथा मंत्रि परिषद के कार्यालय में देने का निर्देश दिया गया है।

अमेरिका को पुरानी बीमारियों पर संयुक्त राष्ट्र का घोषणापत्र अस्वीकार

एजेंसी
न्यूयॉर्क (अमेरिका)। अमेरिका ने पुरानी बीमारियों से निपटने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने संबंधी संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक घोषणापत्र को अस्वीकार कर दिया। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इसकी भाषा पर उसे आपत्ति है। संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों से बात करते हुए स्वास्थ्य एवं मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश में पुरानी बीमारियों की महामारी को हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन यह घोषणापत्र संयुक्त राष्ट्र की उचित भूमिका से आगे बढ़कर सबसे जरूरी स्वास्थ्य मुद्दों की अनदेखी करता है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन के बार-बार उल्लेख पर भी आपत्ति जताई और कहा कि जब तक इसमें आमूल-चूल सुधार नहीं हो जाते, तब तक यह संगठन विश्वसनीयता या नेतृत्व का दावा नहीं कर सकता। द हिल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने जनवरी में अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही वैश्विक स्वास्थ्य संस्था से अमेरिका को अलग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। कैनेडी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के संकट से निपटने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की पहली प्राथमिकता अमेरिका को फिर से स्वस्थ बनाने की है।

भारत ने सेंट्रल अमेरिकी देशों को डिजिटल, कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र में की सहयोग की पेशकश

एजेंसी
न्यूयॉर्क । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सेंट्रल अमेरिकी देशों को डिजिटल भुगतान प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि जैसे क्षेत्रों में भारत की विशेषज्ञता साझा करने की पेशकश की है, जिससे साझा चुनौतियों का समाधान किया जा सके।

उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि यह साझेदारी ठोस परिणाम दे सकती है, जो एक अधिक समावेशी, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में योगदान देगी। उन्होंने कहा, हम डिजिटल क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा, खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ ही जलवायु कार्रवाई में निश्चित रूप से आगे बढ़ना चाहेंगे। सेंट्रल अमेरिकन इंटीग्रेशन सिस्टम (सिका), जिसमें आठ देश शामिल हैं, क्षेत्रीय आर्थिक और राजनीतिक सहयोग के लिए काम करती है। भारत ने 2004 से इस समूह के साथ मंत्रिस्तरीय स्तर पर काम करना शुरू किया था।

जयशंकर ने कहा कि भारत का सिका के साथ सहयोग काफी गहरा हुआ है, क्योंकि दोनों ने कोरोना महामारी के बाद की रिकवरी, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन, विकास के लिए वित्तपोषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का समाधान करने में प्रगति की है। उन्होंने भारत में विकसित

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को बढ़ावा देते हुए कहा कि इसने निर्बाध, वास्तविक समय और सुरक्षित धन हस्तांतरण सुनिश्चित करने में बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया, आज, दुनिया के आधे से अधिक कैशलेस भुगतान भारत में इसी सिस्टम के कारण होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का निजी क्षेत्र सिका देशों में कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों में निवेश करने में रुचि दिखा रहा है, जहां भारत ऐतिहासिक रूप से मजबूत रहा है।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के संदर्भ में जयशंकर ने कहा कि भारत की कई कंपनियों ने सौर, हरित हाइड्रोजन और बायोएनर्जी जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तर पर अपनी उपस्थिति बनाई है, जो सहयोग के अन्य संभावित क्षेत्र हो सकते हैं। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान भारत द्वारा सिका देशों को टीके आपूर्ति करके क्षेत्र के साथ संबंधों को मजबूत करने की बात को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत, सिका के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने और किफायती स्वास्थ्य सेवा का समर्थन करने के लिए तैयार है।

जयशंकर ने बताया कि पिछले साल जब सिका देशों को तूफानों से बुनियादी ढांचे और आजीविका को व्यापक नुकसान हुआ था, तब भारत ने एकजुटता के प्रतीक के रूप में आवश्यक दवाएं, राहत सामग्री और आपातकालीन सहायता प्रदान की थी।

स्मार्ट व्यापार संवर्धन के लिए आईटीपीओ ने किया एनईजीडी के साथ समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) के बीच डिजिटल प्लेटफॉर्म के विकास, उन्नयन और रखरखाव से संबंधित एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

गए। भारतमंडपम में आयोजित कार्यक्रम में आईटीपीओ के कार्यकारी निदेशक प्रेमजीत लाल और एनईजीडी के निदेशक सुनील शर्मा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग सभी हितधारकों के लिए बेहतर व्यापार सुविधाएं, निर्बाध कार्यक्रम अनुभव और उन्नत डिजिटल सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होगा।

एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड का आईपीओ 30 सितंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 95-100 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। कृषि रसायन कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 30 सितंबर को खुलेगा। इसमें निवेशक 3 अक्टूबर 2025 तक निवेश करने के लिए बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 95-100 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड ने एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ 30 सितंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 3 अक्टूबर 2025 को बंद होगा। कंपनी ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू के लिए मूल्य का दायरा 95-100 रुपये प्रति शेयर तय किया है। एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड का आईपीओ पूरी तरह से 1.93 करोड़ इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम है। यह निर्गम 193 करोड़ रुपये का बैठता है। निवेशक इसमें न्यूनतम 150 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 150 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी इस नए निर्गम से प्राप्त 135 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। इसके अलावा शेष राशि का उपयोग सामान्य कंपनी उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स बुक-रनिंग इसके लीड मैनेजर्स है।

विदेश सेवा या प्रतिनियुक्ति पर तैनात केंद्रीय कर्मियों को यूपीएस के लिए भरना होगा 'फॉर्म ए2'

नई दिल्ली। विदेश सेवा में तैनात या अन्य संगठनों में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत केंद्र सरकार के कर्मचारियों को भी एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) का विकल्प चुनने के लिए निर्धारित समय-सीमा तक अपना पेंशन विकल्प चुनना होगा। ऐसे कर्मचारियों को यूपीएस में शामिल होने के लिए फॉर्म ए2 भरना होगा। वित्त मंत्रालय ने बताया कि भारतीय पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की नवीनतम बयान के अनुसार ऐसे कर्मचारियों को यूपीएस में शामिल होने के लिए फॉर्म ए2 भरना होगा। इस योजना में शामिल होने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 है। वे सभी कर्मचारी विधिवत भरा हुआ फॉर्म ए2 अपने मूल संगठन के संबंधित नोडल कार्यालय में जमा कर सकते हैं। इसके बाद नोडल कार्यालय निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार केंद्रीय अभिलेखपाल एजेंसी (सीआरए) प्रणाली के जरिए एकीकृत पेंशन योजना में स्थानांतरण की प्रक्रिया करेगा। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 24 जनवरी 2025 को एकीकृत पेंशन योजना को अधिसूचित किया था। मंत्रालय ने कहा कि यूपीएस 01 अप्रैल 2025 को लागू किया गया था। यह केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए खुला है। यूपीएस का विकल्प चुनने के लिए भौतिक रूप से 'फॉर्म ए2' जमा कर सकते हैं। हालांकि, राज्य सरकारें भी अपने कर्मचारियों के लिए इस योजना का विकल्प चुन सकती हैं।

इन्फोसिस लिमिटेड मोहाली में करेगी 300 करोड़ रुपये का निवेश : संजीव अरोड़ा

चंडीगढ़। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा है कि इन्फोसिस लिमिटेड मोहाली में अपने कारोबार का विस्तार करते हुए लगभग 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस निवेश से करीब 2,500 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 210 लोगों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा गुरुवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इन्फोसिस लिमिटेड वर्ष 2017 से मोहाली में कार्यरत है और इस समय लगभग 900 कर्मचारी यहां काम कर रहे हैं। अपने कारोबार को बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को अधिक अवसर देने के लिए कंपनी चरणबद्ध तरीके से अपने कार्यों का विस्तार कर रही है, जिससे सतत विकास और बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने आगे कहा कि पहले चरण के तहत इन्फोसिस लिमिटेड कुल 3,00,000 वर्ग फुट निर्माण क्षेत्र में कार्यालय और अन्य भवनों का विस्तार करेगी। सभी आवश्यक अनुमतियां मिलने के बाद इसके पूरे होने की अनुमानित समय सीमा तीन वर्ष है। यह इमारत पर्यावरण अनुकूल होगी और लीड प्लेटिनम प्रमाणपत्र प्राप्त करेगी।

बैंक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करें : अमित शाह

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि बैंक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जिस देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, वे देश तेजी से विकसित हुए हैं। भारत को भी 2047 तक सभी क्षेत्रों में विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को सुदृढ़ करना होगा। इस अवसर पर अमित शाह मुंबई में इंडियन एक्सप्रेस मीडिया समूह द्वारा होटल आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल में 'भारत के सर्वश्रेष्ठ बैंक' पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में बैंकिंग क्षेत्र के विभिन्न पुरस्कार गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वितरित किए गए। जीवन गौरव पुरस्कार फेडरल बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक श्याम श्रीनिवासन को प्रदान किया गया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र

सरकार ने भारत के बैंकिंग क्षेत्र में कई नीतिगत सुधार किए हैं। इन सुधारों के परिणामस्वरूप, भारत छह से सात प्रतिशत की विकास दर बनाए रखने में कामयाब रहा है। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दुनिया दो भागों में बंटी हुई है, विकसित और विकासशील। विकसित देश अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं और विकासशील देश कर्ज से जूझ रहे हैं। हालांकि भारत कल्याणकारी योजनाओं, वित्तीय सुधारों और मजबूत नेतृत्व के कारण विकास की कहानी को आगे बढ़ा रहा है। पिछले दस वर्षों में 56 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं। इससे 44 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे बैंक खाते में वितरित किया जा रहा है। बैंकों को हर गांव और गांव के हर व्यक्ति से जोड़ा गया है। बैंकों पर कर्ज का बोझ कम करके एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां) को 2.5 प्रतिशत तक कम किया गया है। बैंकिंग तकनीक में सुधार के लिए चार 'आर' पर काम किया गया है। इनमें पहचानना, वसूली करना, वसूली योग्यता और सुधार शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि बैंकों को पूर्व में किए गए वित्तीय सुधारों का अध्ययन करना चाहिए और भविष्य में सरकार को कोई भी सुधार सुझाना चाहिए। हाल ही में, केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार किए हैं। यह अब तक किसी भी बिक्री कर में की गई सबसे बड़ी कटौती है। वित्तीय अपराधों के लिए दंड बढ़ा दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवा के 2,466.77 करोड़ और होटल-पर्यटन क्षेत्र से 652.3 करोड़ रुपये के मिले निवेश प्रस्ताव

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट में अस्पतालों और हेल्थकेयर क्षेत्र में 11 बड़े प्रस्ताव आए हैं। इसमें स्वास्थ्य सेवा के 2,466.77 करोड़ और होटल-पर्यटन क्षेत्र से 652.3 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों और हेल्थकेयर क्षेत्र में आए प्रस्तावों से लगभग 6,000 नए रोजगार सृजित होंगे। मुख्यमंत्री साय ने राजधानी रायपुर के ओमाया गार्डन में आयोजित छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट कार्यक्रम में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए 11 बड़े अस्पताल समूहों ने कुल 2,466.77 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए, जिनसे लगभग 6000 लोगों को रोजगार मिलेगा और प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई ऊँचाइयाँ स्थापित होंगी। प्रस्तावित परियोजनाओं से मिलकर 7 हजार से अधिक रोजगार सृजित होंगे और प्रदेश को 2,800 से अधिक नए हॉस्पिटल बेड्स की सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार मुंबई स्थित बॉम्बे हॉस्पिटल ट्रस्ट ने 300 बेड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के लिए 680.37 करोड़ का निवेश प्रस्तावित किया है, जिससे 500 रोजगार उपलब्ध होंगे। माँ पद्मावती इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज रायपुर 750 बेड क्षमता वाला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल 340 करोड़ निवेश और 1,500 रोजगार अवसर प्राप्त होंगे। आरोग्यमृत वेलनेस एलएलपी रायपुर द्वारा इंटरनल वेलनेस ग्रोथ, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना हेतु 300 करोड़ के निवेश और 1,000 रोजगार अवसरों के साथ प्रस्तावित किया गया है। फोर सीज़न हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर रायपुर 600 बेड क्षमता और 302 करोड़ के निवेश से 1,400 रोजगार सृजित करेगा।

स्टॉक मार्केट में जीके एनर्जी की प्रीमियम लिस्टिंग, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। सोलर एनर्जी से चलने वाले एग्रीकल्चरल वॉटर पंप सिस्टम्स के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और कमीशनिंग (ईपीसी) सर्विस देने वाली कंपनी जीके एनर्जी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 153 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 8 प्रतिशत प्रीमिय के साथ 165 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 12 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 171 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद जीके एनर्जी के शेयर 175.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। जीके एनर्जी का 464.26 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 23 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 93.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स

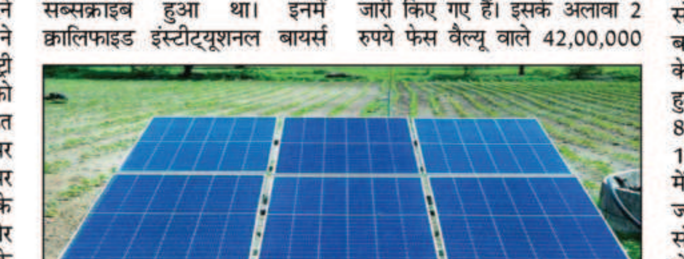

(क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 193.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 128.56 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 21.78 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 5.59 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 400 करोड़ रुपये के 2,61,43,790 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 42,00,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज का बोझ कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार में सोने की घटी चमक, चांदी में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज के कारोबार में सोना 850 रुपये से लेकर 930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। कीमत में नरमी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,14,430 रुपये से लेकर 1,14,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,04,890 रुपये से लेकर 1,05,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,14,580 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,05,040 रुपये प्रति

10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,14,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,04,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,14,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,04,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,14,430 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,04,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

पेस डिजिटेक का 819 करोड़ का आईपीओ लॉन्च, 30 सितंबर तक कर सकते हैं आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट्स, रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन प्रोजेक्ट, लीथियम आयन बैटरी सिस्टम्स की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई के कारोबार में लगी कंपनी पेस डिजिटेक लिमिटेड 819.15 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 1 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। कंपनी के शेयर 6 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू के 3,74,04,018 नए शेयर जारी किया जा रहा है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 208 रुपये से लेकर 219 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। पेस डिजिटेक लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 68 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,892 रुपये का निवेश करना होगा। आईपीओ खुलने

से एक दिन पहले पेस डिजिटेक लिमिटेड ने एंकर इनवेस्टर्स से 245.14 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में सोसाइटी जेनरल, बंधन म्यूचुअल फंड, सैमसंग इंडिया, टॉरस म्यूचुअल फंड, सेंट कैपिटल फंड, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस, होलानी वेंचर कैपिटल, सनराइज इनवेस्टमेंट ट्रस्ट और अर्थ एआईएफ समेत 15 इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.87 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.91 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.95 प्रतिशत हिस्सा और एंप्लॉईज के लिए 0.27 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए यूनिस्टोन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 16.53 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 229.87 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 279.10 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

'वर्ल्ड फूड इंडिया 2025' शिखर सम्मेलन में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आने की उम्मीदः चिराग पासवान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2025' शिखर सम्मेलन के दौरान खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव आने की उम्मीद है। चिराग पासवान ने नई दिल्ली स्थित 'भारत मंडपम' में आयोजित 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2025' शिखर सम्मेलन की शुरुआत के पहले दिन संवाददाताओं के साथ चर्चा में कहा कि 65,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर पहले ही हस्ताक्षर हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी है कि करीब 1 लाख करोड़ रुपये के ज्ञापन साइन किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एडिशन के दौरान जितने ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए उनमें से 80 फीसदी को धरातल पर उतारा जा चुका है...। पासवान ने कहा कि जब मैं 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के ज्ञापन साइन करने की बात करता हूं तो यह करीब 9 लाख रोजगार के अवसर भी पैदा करता है...। इस क्षेत्र का देश की अर्थव्यवस्था में भी बहुत बड़ा योगदान है...कई देशों के प्रतिनिधिमंडल यहां आ रहे हैं। 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2025' के इस आयोजन अवसर पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से संबंधित मुद्दों पर कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का एक गोलमेज सम्मेलन भी हुआ। इसमें केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मौजूद थे। पासवान ने कहा कि कंपनियों के सीईओ जीएसटी की दरों को तर्कसंगत बनाए जाने से बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल उद्योग ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने आगे कहा कि इस दौरान खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में इज ऑफ डूइंग बिजनेस को और सुदृढ़ करना, निवेश और सोर्सिंग के अवसरों को बढ़ाना और प्रस्तावित परियोजनाओं का सुचारु एवं आसान क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विस्तार पूर्वक चर्चाएं हुई।

सात्विक ग्रीन एनर्जी ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। सोलर मॉड्यूल्स बनाने वाली कंपनी सात्विक ग्रीन एनर्जी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 465 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 5 रुपये के डिस्काउंट के साथ 460 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर बिना किसी बदलाव के 465 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में इस शेयर में और गिरावट आ गई। पहले दो घंटे का कारोबार करने के बाद सुबह 11:15 बजे कंपनी के शेयर 453.15 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 2.55 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। सात्विक ग्रीन

एनर्जी का 900 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 23 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 10.57 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.81 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 5.59 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 700 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 43,01,075 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ओडिशा के गोपालपुर में 4 गीगावाट की सोलर पीवी मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, पुराने कर्ज का बोझ कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 4.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज का आईपीओ दूसरे दिन 59 फीसदी हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के दूसरे दिन 59 फीसदी सब्सक्राइब हुआ। ये इश यू शुक्रवार, 26 सितंबर, 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। शेयर बाजारों में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इस निर्गम को 1,76,70,103 इक्विटी शेयरों के मुकाबले 1,04,69,879 बोलियां प्राप्त हुईं, जो इस आईपीओ के लिए खुदरा और गैर-संस्थागत निवेशकों की मांग को दर्शाता है। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज ने एंकर निवेशकों से 151.2 करोड़ रुपये जुटाए हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आंकड़ों के अनुसार इस आईपीओ के आरंभिक शेयर बिक्री में 1,04,69,879 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं, जबकि प्रस्तावित शेयरों की संख्या 1,76,70,103

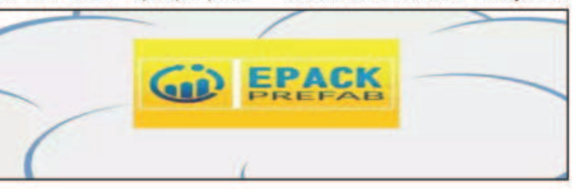

थी। इसमें खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों के लिए 72 फीसदी अभिदान प्राप्त हुआ, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए 46 फीसदी अभिदान प्राप्त हुआ। योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की श्रेणी को 46 फीसदी अभिदान प्राप्त हुआ है, जबकि कर्मचारी शेयरों को 10 गुना अभिदान प्राप्त हुआ।ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के 504 करोड़ रुपये का यह सार्वजनिक प्रस्ताव 300 करोड़ रुपये की ताजा शेयर बिक्री और 204 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश का संयोजन है। इसमें निवेशक न्यूनतम 73 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 73 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं, जिसमें खुदरा निवेशकों के लिए अधिकतम 14,892 रुपये का न्यूनतम निवेश आवश्यक है। ये इश्यू 24 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था, जो शुक्रवार, 26 सितंबर को बंद हो जाएगा।

भारत मजबूत आर्थिक बुनियाद से अनिश्चितता में भी जुझारू बना रहाः वित्त मंत्री

एजेंसी

पुणे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपने मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी पहलुओं के दम पर जुझारूपन दिखाने में सफल रहा है। उन्होंने बैंकों से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) को ऋण देने को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया। वित्त मंत्री ने आज यहां बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 91वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में वैश्विक माहौल में अनिश्चितता बढ़ी है और उसका असर विभिन्न देशों पर महसूस किया जा रहा है। सीतारमण ने बैंकों से एमएसएमई को ऋण देने को बढ़ावा देने का आग्रह किया और एनबीएफसी और पीएसबी के बीच गहन, संस्थागत सहयोग का आह्वान किया। इस अनिश्चित वैश्विक परिवेश के बीच भारत का लचीलापन स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। भारत का लचीलापन आकस्मिक नहीं है। ये पिछले दशक में सक्रिय राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों, साहसिक संरचनात्मक सुधारों, भौतिक और डिजिटल दोनों तरह के बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के निर्माण, बेहतर शासन और बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाते हैं। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि कोरोना महामारी के बाद भारत ने मजबूती से वापसी की और वित्त वर्ष 2021-22 से वित वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 8 फीसदी की औसत वार्षिक वृद्धि दर्ज की।

स्टॉक मार्केट में सिद्धि कॉटस्पिन की बड़ी गिरावट के साथ एंट्री, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। सूती धागे बनाने वाली कंपनी सिद्धि कॉटस्पिन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 108 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 86.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण थोड़ी देर में ही सिद्धि कॉटस्पिन के शेयर गिर कर 82.10 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23.98 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

सिद्धि कॉटस्पिन का 69.85 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 23 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.21 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 17.53 गुना

सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.94 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.50 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 53.40 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 15.24 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 6.02 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 12.18 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 13.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 90 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 724.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में भी लगातार कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 113.78 करोड़ रुपये, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में कम होकर 90.58 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज घट कर 67.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो यह वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 49.75 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में घट कर 46.90 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस उछल कर 59.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इस दिन रिलीज होगी आयुष्मान

रश्मिका मंदाना

की 'खूनी' प्रेम कहानी, ट्रेलर आने से पहले 'हाउसफुल' हुई थामा

बॉलीवुड में बहुत कम ऐसी फिल्में आती हैं जहां एक अलग ही कॉन्सेप्ट देखने को मिलता है. मैडॉक ने बीते सालों में ऐसी कई फिल्में दी हैं जो लीग से हटकर थीं और इन्हें लोगों ने पसंद किया है. साल 2018 में आई फिल्म स्त्री के साथ मैडॉक ने अपने हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की शुरुआत की, जिसके बाद, भेड़िया, मुन्ज्या और स्त्री 2 अबतक आ चुकी हैं और लोगों को बहुत पसंद भी आई हैं. अब इस यूनिवर्स की अगली किश्त थामा के आने का ऐलान भी हो गया है.आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म थामा का एक टीजर बीते दिनों आया था, जिसको काफी पसंद किया गया था. अब मेकर्स ने बता दिया है कि कल यानी 26 सितंबर को थामा का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा. इसके साथ ही फैंस को जिस बात का बेसब्री से इंतजार था, यानी फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी एक बड़ा अपडेट आया है.

थामा का ट्रेलर लॉन्च

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, थामा के ट्रेलर लॉन्च में श्रद्धा कपूर भी नजर आएंगी जो इस सुपरनेचुरल यूनिवर्स का खास हिस्सा हैं. मेकर्स ने थामा की स्पेलिंग को लेकर भी सारे डाउट क्लियर करते हुए ये बताया कि फिल्म का नाम Thama से बदलकर Thamma कर दिया गया है. कल मुंबई के बांद्रा फोर्ट में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होगा.

कब रिलीज होगी फिल्म

वैसे तो ट्रेलर लॉन्च का फंक्शन मीडिया और फिल्म से जुड़े लोगों के लिए होता है, लेकिन मैडॉक ने कुछ नया करते हुए इस बार इस इवेंट के लिए फैंस को भी बुलाया गया है. थामा के मेकर्स ने ट्रेलर लॉन्च के टिकट्स को ऑनलाइन सेल किया, जहां कुछ ही मिनटों में सारे टिकट बिक गए. हालांकि, टिकट फ्री था, लेकिन फिर भी सारे टिकेट्स का इस तरह से बुक होना ये बात साबित करता है कि फिल्म का क्रेज किस लेवल पर है. बात करें फिल्म की रिलीज डेट की तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, थामा आने वाले 21 अक्टूबर को रिलीज हो सकती है. फिल्म में आयुष्मान और रश्मिका के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी है.

भारत की पहली AI फीचर फिल्म बना रहीं सनी लियोनी, एक्ट्रेस ने अपनी पिक्चर पर क्या कुछ कहा?

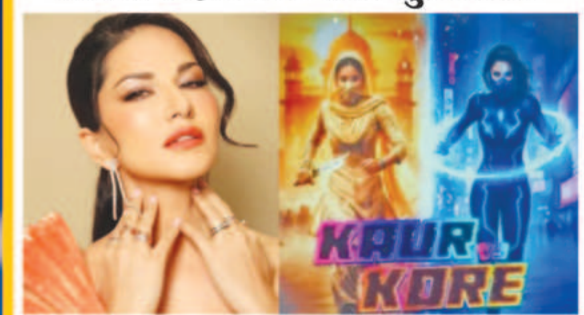

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस सनी लियोनी एक AI फिल्म बना रही है, जिसमें वो लीड रोल में नजर आने वाली हैं. फिल्म का नाम है कौर Vs कोर (Kaur Vs Kore). ये फिल्म पैपराजी एंटरटेनमेंट कंपनी के बैनर तले बन रही है और मेकर्स ने इस फिल्म को भारत की पहली‍ड्ढ फीच फिल्म कह रहे हैं. सनी इस फिल्म में डबल रोल में नजर आने वाली हैं. एक किरदार इंसानी सुपरहीरो का होगा और दूसरा‍ड्ढ अवतरा होगा. सनी ने अपनी इस फिल्म के बारे में बात की है. के साथ बातचीत करते हुए जब सनी से ये पूछा गया कि डायरेक्टर अनुराग कश्यप‍ड्ढ सिनेमा को नापसंद करते हैं, इसपर वो क्या कहना चाहेंगी. सनी ने इसपर कहा, टेक्नोलॉजी शक्ति है और अगर आपको किसी चीज के बारे में जानकारी है तो आप चीजों को समझेंगे. इस तरह का सिनेमा इंडस्ट्री के लिए अतिरिक्त हो सकता है. मुझे यकीन है कि इससे ज्यादा नौकरियां पैदा होंगी. साथ ही फिल्मों को एक अलग दिशा में ले जा सकता है.

हमारी अपनी फिलॉसफी है- सनी लियोनी

सनी ने आगे कहा, अगर अनुराग सर यहां बैठे होते तो मैं चाहती कि वो मेरे बात को समझें और शायद मैं उन्हें बदल पाती. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक इंसान के बारे में एक प्यारी बात ये है कि हमारी अपनी फिलॉसफी है. और जिस तरह से हम जिंदगी को देखते हैं वो दूसरों से बहुत अलग है और ये ठीक है.

अगले साल रिलीज होगी सनी की फिल्म

जब उनसे ये पूछा गया कि क्या इंडियन ऑडियंस इस तरह के AI कंटेंट के लिए तैयार है, इसपर उन्होंने कहा, हम अपने ऑडियंस को पूरा क्रेडिट नहीं देते और मानते हैं कि ये उन्हें पसंद नहीं आएगा, लेकिन आप जानते हैं कि वो हर दिन कंटेंट कंज्यूम कर रहे हैं. कोविड ने जो किया वो ये है कि हम कैसे कंटेंट कंज्यूम करते हैं उसकी दुनिया बनाना, जो पहले से बहुत अलग है. ये फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

संजय कपूर की तीसरी पत्नी ने रखी ये बड़ी शर्त, करिश्मा कपूर के बच्चे अब क्या करेंगे?

दिवंगत बिजनेसमैन संजय कपूर की मौत के बाद से ही संपत्ति विवाद गहराता जा रहा है. करोड़ों की संपत्ति को लेकर कानूनी लड़ाई अब तेजी होती नजर आ रही है. जहां पहले संजय कपूर की मां और तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव के बीच विवाद की खबर थी. बाद में करिश्मा कपूर के बच्चे समायरा और कियान भी इसमें कूद पड़े. जब उन्होंने संजय कपूर की तीसरी पत्नी के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया. ऐसे में बच्चों की अपील पर हाईकोर्ट ने 10 अक्टूबर तक प्रिया को संपत्तियों की लिस्ट सार्वजनिक करने का आदेश दिया था. लेकिन लिस्ट सार्वजनिक करने से पहले प्रिया सचदेव ने भी हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. साथ ही बड़ी शर्त रख दी है.दरअसल दिल्ली हाई कोर्ट ने संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेव की दायर याचिका पर सुनवाई की. जिसमें प्रिया सचदेव ने निजी संपत्ति की डिटेल्स को सार्वजनिक करने से पहले नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट (NDA) पर साइन करने की मांग की है. क्या है ये NDA, जिसमें प्रिया सचदेव चाहती हैं कि संजय कपूर की मां रानी कपूर और संजय की पूर्व पत्नी करिश्मा कपूर के बच्चे साइन कर दें.

संजय कपूर की पत्नी ने क्या शर्त रखी ?

दिल्ली हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया ने निजी संपत्ति का खुलासा करते समय एक गोपनीयता समझौता (कॉन्फिडेंशियलिटी एग्रीमेंट) पर साइन करने की मांग की है. प्रिया के वकील शेल ट्रेहान ने कोर्ट को बताया कि बैंक खाते की जानकारी समेत संपत्ति की डिटेल्स से साइबर सुरक्षा को खतरा हो सकता है. इसलिए इसे सीलबंद लिफाफे में दाखिल किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा कि मैं जानकारी नहीं दूंगा, मैं बस इसे कॉन्फिडेंशियल तरीके से रखना चाहता हूं.

वहीं इस मामले में जस्टिस ज्योति सिंह ने इस रिक्वेस्ट पर सवाल उठाया है. उन्होंने कहा कि, असल में कितनी जानकारी गोपनीय रखी जा सकती है. वहीं, कोर्ट ऐसा आदेश कैसे लागू कर सकती है. साथ ही उन्होंने प्रिया सचदेव की टीम से यह भी पूछा कि संपत्ति की जानकारी को गोपनीय रखने के लिए कोई कानूनी प्रावधान है क्या ?

किसके वकील ने क्या कहा ?

प्रिया सचदेव के वकील ने संपत्ति की लिस्ट के दो पेज को कॉन्फिडेंशियल रखने की अपील की है. मैं इसे सभी पक्षों को दिखाना चाहता हूं, लेकिन अनुरोध है कि इसे गोपनीय रखा जाए. वहीं कोर्ट ने कहा कि पूरा मामला सील नहीं किया जा सकता. बेंच ने कहा कि दूसरे पक्ष को जवाब दाखिल करने के लिए डिटेल्स की जानकारी होनी चाहिए. वहीं करिश्मा कपूर के बच्चों के वकील ने कहा कि संपत्ति के मामले में जानकारी सार्वजनिक रहनी चाहिए. साथ ही कोर्ट ने मीडिया को शामिल करने से भी मना किया और कहा, हमें किसी भी मीडिया ट्रायल में शामिल न करें.

अर्जुन कपूर या

मलाइका अरोड़ा

रईसी में आगे कौन?

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा की जोड़ी कभी बॉलीवुड गलियारों में काफी सुर्खियां बटोरती थी. अरबाज खान से तलाक लेने के बाद से ही मलाइका ने खुद से करीब 12 साल छोटे अर्जुन कपूर को डेट करना शुरू कर दिया था. अर्जुन और मलाइका अरोड़ा ने एक दूसरे को लंबे वक्त तक डेट किया था. कपल ने साल

अर्जुन या मलाइका, कमाई में कौन पीछे

2019 में अपना रिश्ता सोशल मीडिया के जरिए कंफर्म किया था. लेकिन, 2024 में दोनों ब्रेकअप करके अलग हो गए थे.ब्रेकअप के बाद अब अर्जुन और मलाइका अरोड़ा को फिर से एक साथ देखा गया है. दोनों फिल्म 'होमबाउंड' की स्क्रीनिंग पर पहुंचे थे. पहले तो उन्होंने एक दूसरे को इग्नोर किया. लेकिन, फिर एक दूसरे को हग किया और बातचीत भी की. इसे लेकर काफी चर्चा हो रही है. हालांकि इसी बीच हम आपको अर्जुन और मलाइका के बारे में ये बताने जा रहे हैं कि दोनों के पास कितने करोड़ की नेटवर्थ है और दोनों में से ज्यादा दौलत किसके पास है ?

अर्जुन कपूर की नेटवर्थ

40 साल के अर्जुन कपूर का जन्म मशहूर प्रोड्यूसर बोनी कपूर और मोना कपूर के घर 26 जून 1985 को मुंबई में हुआ था. अर्जुन बीते 13 सालों से बॉलीवुड में बतौर एक्टर काम कर रहे हैं. उन्होंने साल 2013 में फिल्म 'इशकजादे' से डेब्यू किया था. लेकिन, वो अब तक अपने अभिनय से खास पहचान नहीं बना पाए. लेकिन, फ्लॉप होने के बावजूद अर्जुन लग्जरी लाइफ जीते हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्जुन की नेटवर्थ 85 करोड़ रुपये है. अर्जुन एक फिल्म के लिए 5 से 7 करोड़ रुपये तक फीस लेते हैं. उनके पास मर्सिडीज-मेबैक GLS 600, मासेराती लेवांटे, लैंड रोवर रेंज रोवर डिफेंडर, मर्सिडीज ML350 और वॉल्वो XC90 जैसी लग्जरी गाड़ियां भी हैं.

मलाइका अरोड़ा की नेटवर्थ

51 साल की मलाइका अरोड़ा ने 'छैयां छैयां' और 'मुन्नी बदनाम हुई' जैसे आइटम नंबर्स से खास पहचान बनाई है. वो अपने डांस के साथ ही अपनी फिटनेस के लिए भी सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में आ जाती हैं. मलाइका एक आइटम सॉन्ग के लिए डेढ़ करोड़ तक फीस लेती हैं.

कारपेंटर डे पर एक्शन टेसा द्वारा संगम विहार में भव्य कांट्रैक्टर मीटिंग, अजय देवगन ने दी शुभकामनाएं

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली। एक्शन टेसा कंपनी द्वारा कांट्रैक्टर मीटिंग का आयोजन दिल्ली के संगम विहार स्थित विश्वकर्मा मंदिर, ए-ब्लॉक में किया गया। यह कार्यक्रम इंटरनेशनल कारपेंटर डे के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कारपेंटर्स ने भाग लिया। इस विशेष अवसर पर एक्शन टेसा द्वारा सभी कारपेंटर्स को सम्मानित किया गया और उन्हें नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्य की सराहना की गई। कार्यक्रम में कंपनी के ब्रांड एंबेसडर और मशहूर बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने वीडियो संदेश के माध्यम से सभी कारीगरों को शुभकामनाएं दीं और उनके समर्पण की प्रशंसा की। एक्शन टेसा के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय अग्रवाल ने भी मंच से सभी कारपेंटर्स और उपस्थित अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि कारीगर किसी भी निर्माण कार्य की रीढ़ होते हैं और उनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इस आयोजन ने कारपेंटर्स के योगदान को नई पहचान दी और उनके साथ कंपनी के संबंधों को और अधिक सशक्त किया।

आईएमसी पर शहर का माहौल बिगाड़ने की साजिश रचने का आरोप, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

बरेली । अखिल भारत हिंदू महासभा ने गुरुवार को सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर इत्तेहादे मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) पर गंभीर आरोप लगाए। संगठन ने कहा कि आईएमसी के सरगना तौकीर रजा खान और उनके साथियों द्वारा सोची-समझी साजिश के तहत सनातनी पर्वों में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जाती है। महासभा ने मांग की है कि 26 सितंबर को प्रस्तावित रैली पर प्रतिबंध लगाया जाए।

महासभा मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक ने ज्ञापन में कहा कि आईएमसी नेता नफीस खान द्वारा इंस्पेक्टर को हाथ काटने और वर्दी उतारने की धमकी दी गई है, जो यह साबित करता है कि संगठन का संविधान और कानून पर कोई विश्वास नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2010 में भी आईएमसी की भूमिका में शहर दंगों की आग में झोंका गया था, जिसमें कोल्हडापीर चौकी और वहां स्थित मंदिर में तोड़फोड़ और आगजनी हुई थी।

ज्ञापन में कहा गया कि तौकीर रजा बार-बार ऐसे बयान देकर पुलिस और प्रशासन पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। बसपा शासनकाल में भी प्रेमनगर इंस्पेक्टर द्वारा एक आतंकवादी को यूरेनियम के साथ पकड़े जाने के बाद आईएमसी कार्यकताओं ने चौकी चौराहे पर जाम लगाकर पुलिस का मनोबल गिराने का प्रयास किया था।

महासभा ने मांग की है कि नफीस खान को तत्काल गिरफ्तार किया जाए, प्रस्तावित रैली पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और तौकीर रजा खान व उनके संगठन आईएमसी को आतंकवादी संगठन घोषित कर प्रतिबंधित किया जाए। साथ ही इनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

महासभा ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने उचित कदम नहीं उठाए तो हिंदू महासभा भी सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी और किसी भी कीमत पर अराजक तत्वों को माहौल बिगाड़ने नहीं देगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर एकात्म मानववाद की प्रेरणा से ओत-प्रोत गोष्ठी संपन्न

अमेठी। राष्ट्रचिंतक, भारतीय राजनीति के नैतिक आलोक स्तंभ और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय गौरीगंज में एक श्रद्धापूर्ण एवं विचारोत्तेजक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी के मुख्य अतिथि वरिष्ठ विचारक व भाजपा नेता सीताशरण त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल का चिंतन भारतीय मनीषा की उस धारा से उपजा है, जो मनुष्य को शरीर, मन और बुद्धि के साथ आत्मा के स्तर तक आलोकित करता है। उन्होंने कहा कि ह्लएकात्म मानववाद केवल एक विचार नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की पुकार है।ह्व कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा कि दीनदयाल जी ने राजनीति को सेवा का पर्याय बनाया। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र के लिए तपस्या था और उनके सिद्धांत आज भी प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए मार्गदर्शक हैं। इस मौके पर उपस्थित कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने पंडित जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। गोष्ठी में उनके जीवन-दर्शन, भारतीय संस्कृति की आत्मा से जुड़े विचार और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना पर सारगर्भित विमर्श हुआ। कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, वैचारिक गहराई और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत रहा।

गोष्ठी का संचालन भवानी दत्त दीक्षित ने किया। जानकारी देते हुए प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने बताया कि इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष रामप्रसाद मिश्रा, जिला महामंत्री केशव सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विषुव मिश्रा, जिला मंत्री अतुल शुक्ला, प्रभात शुक्ला, मनोज जायसवाल, दिनेश तिवारी, गौरव सिंह, मनोज तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय दुबे, मंडल अध्यक्ष मनोज पासी, श्रीमती निमिषा त्रिपाठी, अजय सिंह गौर, रामगोपाल कौशल, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र मिश्रा, उमा रमण सिंह, अभिषेक कौशिक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के राष्ट्रीय मंत्री आशु चौहान ने माता की भव्य चौकी का आयोजन किया

मनीषा

दिव्य दिल्ली : नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के राष्ट्रीय मंत्री आशु चौहान ने अपने दिल्ली स्थित निवास पर माता आदिशक्ति के भव्य चौकी का आयोजन किया। जिसमें कई विधायक, पार्षद सहित दिल्ली के कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। राष्ट्रीय मंत्री आशु चौहान ने धर्मपत्नी सहित माता की भव्य ज्योति प्रज्वलित की ओर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री महिपाल बिड़लान सहित उपाध्यक्ष श्री प्रियांक गुप्ता अन्त्योदय के राष्ट्रीय मंत्री श्री मनोज कुशवाहा सदस्य श्री वीरेंद्र सहरावत गुरुग्राम से युवा नेता श्री विश्व प्रताप राघव उपस्थित रहे साथ ही गृह मंत्रालय से श्री शिव कुमार जी श्री मुख्तियार सिंह जी भी उपस्थित रहे उन्होंने भी माता रानी का आशीर्वाद लिया। क्षेत्र के फ्हअ के अध्यक्ष सहित पूरी टीम उपस्थित रही। चौकी में गायक अर्पित लाडला ने अपनी मधुर आवाज से समा बांध दिया और श्री बांके बिहारी श्री जगन्नाथ रामलला की भव्य झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। आशु चौहान जी ने कार्यक्रम में आए सभी मुख्य अतिथियों को माता की चुनरी और पटका पहनकर उनका स्वागत किया । आशू चौहान जी श्री कृष्ण जी के परम भक्त हैं और सभी पर्वों को भव्य रूप से मनाते है और सनातन धर्म के सभी पर्वों के आयोजनों,प्रचार प्रसार,से लेकर धर्म के रक्षण के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

बाइक सवार तीन बदमाशों ने तलवार से किया किसान पर हमला

उरई। माधौगढ़ तहसील क्षेत्र में बाइक सवार तीन बदमाशों ने गुरुवार को एक किसान पर तलवार से हमला कर दिया। घटना मीगनी के मजरा भगवानपुरा निवासी राजू पाल (50) के साथ हुई, जब वे भीमनगर से एक्टिवा पर घर लौट रहे थे। रामकुमार मिश्रा के खेत के पास तीन बाइक सवार अचानक सामने आए और उनमें से एक ने राजू पाल पर तलवार से वार किया। हमलावर ने सिर पर वार करने की कोशिश की, लेकिन राजू ने हाथ से बचाव किया और उनके हाथ में गहरी चोट लग गई। लोगों के शोर मचाने पर हमलावर भाग निकले।

घटना के बाद घायल राजू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माधौगढ़ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच कर रही है। हमलावरों की तलाश जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की पहचान करने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। सीओ अंबुज सिंह का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल, घायल किसान का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

पच्चीस हजार रुपए के ईनामी बदमाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार

उरई। कदौरा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को 25 हजार रुपए के ईनामी अभियुक्त सोनू को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के आनुसार, सोनू के खिलाफ थाना कदौरा में मुकदमा दर्ज है। वह लम्बे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर ईनाम घोषित था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम कानाखेड़ा मोड़ स्थित गेट के पास घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रभात सिंह व उनकी टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत इस गिरफ्तारी को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

श्री धार्मिक रामलीला कमेटी: 100 मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स इस अभियान से जुड़े

दिव्य दिल्ली : दिल्ली में 22 सितंबर से शुरू होने वाली धार्मिक रामलीला 3 अक्टूबर तक चलेगी। इस वर्ष श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ने युवाओं और महिलाओं तक रामलीला की पहुँच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। इसके तहत 100 मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स इस अभियान से जुड़े हैं। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी के अध्यक्ष धीरजधर गुप्ता और मंत्री प्रदीप शरन ने बताया कि आज कमेटी ने इन 100 इंफ्लूएंसर्स के साथ एक मीटिंग की, जिसमें सोशल मीडिया के जरिए रामलीला प्रचार की रणनीति पर चर्चा हुई। इस अभियान में चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (उळक) ने भी सहयोग किया। उळक चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि सभी इंफ्लूएंसर्स के इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक पर 1 लाख से 10 लाख तक फॉलोअर्स हैं। इन इंफ्लूएंसर्स में फैशन डिजाइनर, मेकअप आर्टिस्ट, ब्लॉगर और यूट्यूबर्स शामिल हैं। वे छोटे वीडियो और रील बनाकर अपने पेज पर साझा करेंगे और लाइव स्ट्रीमिंग करेंगे, जिससे लाखों लोग रामलीला का आनंद ले सकेंगे। इस अभियान में शामिल प्रमुख सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स में शोभा गिरधर, प्रियंका सक्सेना, श्वेता राजपाल, शिखा सिंह, कंचन प्रभा, मेघा मल्होत्रा, श्रिया सिंह, तनीशा कालरा, रोयालिका आहूजा, प्रियंका सोबती, हेमा ठाकुर, गुल्फशा कुरैशी, हरनीत रंधावा, अंतरा सुखरमानी, लिशा गोयल, रुचि कुमार आदि शामिल हैं। इनके माध्यम से धार्मिक रामलीला महिलाओं और युवाओं तक बड़े पैमाने पर पहुँचाई जाएगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच और मार्गदर्शन ही आज सरकार की योजनाओं का आधार : दर्शना सिंह

मुरादाबाद। भारतीय जनता पार्टी मुरादाबाद महानगर व जिला इकाई के तत्वाधान में गुरुवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बुद्धि विहार स्थित पार्टी कार्यालय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि मुख्य वक्ता के रूप में पहुंची भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि समाज का कोई भी व्यक्ति शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सम्मान की मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे। उनकी सोच और मार्गदर्शन ही आज सरकार की योजनाओं का आधार है। एकात्म मानववाद और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद भारतीय समाज को जोड़ने और सेवा कार्यों को गति देने का प्रमुख आधार है। दर्शना सिंह ने आगे कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज के वंचित, गरीब और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए जीवनभर कार्य किया। उनकी शिक्षाएं और आदर्श आज भी हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उप्र सरकार केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य डॉ जयपाल सिंह व्यस्त ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। उनकी विचारधारा एकात्म मानववाद आज भी समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के विकास और उत्थान की प्रेरणा देती है। उपाध्याय जी का संपूर्ण जीवन समर्पण, सादगी और राष्ट्रहित के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक रहा है। संगोष्ठी की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल और महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने संयुक्त रूप से की। ब्लॉक प्रमुख संतोष सिंह, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया राजीव गुप्ता, पूर्व सांसद वीर सिंह, धर्मेंद्र नाथ मिश्रा, नवदीप टंडन, राहुल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

'भाजपा में नवीनीकरण होता रहता है, नित नए रक्त को मिलता है अवसर'

मीरजापुर। शारदीय नवरात्र के अवसर पर गुरुवार दोपहर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि भाजपा में नवीनीकरण होता रहता है, नित नए रक्त को मिलता है अवसर। महेंद्र नाथ पांडेय विन्ध्यधाम दर्शन के लिए पहुंचे। लगभग दो बजे मंदिर पहुंचे पांडेय ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया और मां के चरणों में शीश नवाया। पूजन के उपरांत उन्होंने मंदिर परिसर में बैठकर पाठ, जप और ध्यान भी किया। दर्शन के बाद मंदिर के प्रथम द्वार त्रिशक्ति पथ पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि नवरात्र के इस पावन अवसर पर मां विंध्यवासिनी का आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है।

मैंने मां से सभी लोगों की मंगलकामना की है और प्रार्थना की है कि सनातन की शाश्वत ज्योति यूं ही जगमगाती रहे।भाजपा संगठनात्मक व्यवस्था पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में पांडेय ने कहा कि पार्टी में निरंतर नवीनीकरण होता रहता है। भाजपा नित नए रक्त को अवसर प्रदान करती है और हर पल कुछ नया देखने को मिलता है।

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी की यही ऊर्जा और नई सोच उसे जनसेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ा रही है। लेह-लद्दाख की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी छिटपुट घटनाएं समय-समय पर होती रहती हैं, लेकिन सरकार पूरी तरह सतर्क और सजग है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321